E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 97 | प्रयागराज, मंगलवार 23 जून, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

नेतन्याहू बोले- ट्रम्प के इशारों पर काम नहीं करता, अमेरिका-ईरान की बातचीत फिर शुरू

फोटो खिंचाने से भी इनकार, यूएस अधिकारी बोले- दावा गलत

वॉशिंगटन डीसी।इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि लोग यह समझते हैं कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कहने पर काम करते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। यरुशलम में आयोजित एक समिट में बोलते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'अमेरिका में लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रम्प वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूं। वहीं इजराइल में कुछ लोग सोचते हैं कि मैं वही करता हूं जो ट्रम्प चाहते हैं। लेकिन दोनों ही बातें गलत हैं।' इजराइली पीएम ने कहा कि इजराइल और अमेरिका करीबी सहयोगी जरूर हैं, लेकिन दोनों देशों के अपने-अपने हित हैं और हर मुद्दे पर उनकी राय एक जैसी नहीं होती। नेतन्याहू ने दोहराया कि इजराइल, ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस पर कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जरूरत महसूस होगी तब तक इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान में रहेगी।इस बीच स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत दूसरे दिन शुरू हो गया है। पहला दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तीखे बयानों की वजह से तनावपूर्ण रहा था। पिछले 24 घंटे

के 5 बड़े अपडेट्स- 1. ईरान-अमेरिका के बीच बातचीतः दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच रविवार को स्विट्जरलैंड में करीब 80 मिनट तक बातचीत हुई। दोनों देश 60 दिन के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। 2. वेंस बोले- मिलकर शांति के लिए काम करेंगेः अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, दोनों देश मिलकर शांति और समृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं और ट्रम्प अगले 10 साल में पश्चिम एशिया की तस्वीर बदलना चाहते हैं। 3. ट्रम्प की ईरान को धमकीः ट्रम्प ने कहा कि ईरान लेबनान में अपने समर्थक हिजबुल्लाह को तुरंत रोके। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर अमेरिका पिछले हफ्ते से भी ज्यादा सख्त कार्रवाई करेगा। 4. लेबनान में मौतों का आंकड़ा 4,100 के पारः लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 2 मार्च से अब तक 4,106 लोगों की मौत और 12,153 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइली सेना प्रमुख इयाल जमीर ने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई दोबारा शुरू हो सकती है। 5. ईरान का दावा- कतर में फंसे 6 अरब डॉलर मिलेंगेः ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते के तहत कतर में जमा ईरान के 6 अरब डॉलर वापस मिलेंगे। उन्होंने दावा किया कि समझौते की शर्तें तेहरान के पक्ष में हैं। अमेरिका-ईरान बातचीत का दूसरा दिन- स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत दूसरे दिन शुरू हो गया है। हालांकि बातचीत का पहला दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के तीखे बयानों की वजह से तनावपूर्ण रहा। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरानी टीम नाराज होकर बातचीत बंद कर दी थी। इसके बाद ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने कतर के मध्यस्थों से अलग बैठक की। बातचीत में शामिल लीडर्स-अमेरिका-उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, मिडिल ईस्ट के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर-ईरान- संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को मिली धमकी, रक्षामंत्री बोले- जिस पल पानी पर खतरा लगा, हम जंग शुरू कर देंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल एआरवाई न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी। गंभीर जल संकट का सामना कर रहा पाकिस्तान-रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। खासकर सिंध और बलूचिस्तान में पानी की कमी लगातार बढ़ रही है। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक-नॉर्थ वेस्ट कैनाल में 64.1फीसदी पानी की कमी है।

राइस कैनाल में 38फीसदी की कमी दर्ज की गई है। दादू कैनाल में 82फीसदी तक पानी की कमी है। पाकिस्तान की सिंचाई व्यवस्था के अहम हिस्से सुक्कुर बैराज को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। पानी का स्तर लगातार घटने से कृषि और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। भारत-पाकिस्तान के बीच का सिंधु जल समझौता क्या है? सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47फीसदी जमीन पाकिस्तान, 39फीसदी जमीन भारत, 8फीसदी जमीन चीन और 6फीसदी जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के इस नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है। सिंधु जल समझौता स्थगित करने का पाकिस्तान पर असर-पाकिस्तान में खेती की 90फीसदी जमीन यानी 4.7 करोड़ एकड़ एरिया में सिंचाई के लिए पानी सिंधु नदी प्रणाली से मिलता है। पाकिस्तान की नेशनल इनकम में एग्रीकल्चर सेक्टर की हिस्सेदारी 23फीसदी है और इससे 68फीसदी ग्रामीण पाकिस्तानियों की जीविका चलती है। ऐसे में पाकिस्तान में आम लोगों के साथ-साथ वहां की बेहाल अर्थव्यवस्था और बदतर होने लगी है। पाकिस्तान के मंगल और तारबेला हाइड्रोपावर डैम को पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे पाकिस्तान के बिजली उत्पादन में 30फीसदी से 50फीसदी तक की कमी आ सकती है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ेगा।

ईरान हिजबुल्लाह को रोके वरना फिर हमला करेंगे- ट्रम्प, यूएस-ईरान के बीच 82 मिनट बातचीत ईरान बोला- फ्रीज संपत्ति वापस करने पर चर्चा हुई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि वह लेबनान में अपने समर्थक संगठन हिजबुल्लाह की गतिविधियों पर रोक लगाए। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर ऐसा ईरान ने हिजबुल्लाह को नहीं रोका, तो अमेरिका उस पर पिछले हफ्ते से भी ज्यादा बड़ा हमला करेगा। इसी बीच स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच 82 मिनट बातचीत चली। ईरान ने कहा- हमने अपनी फ्रीज की गई संपत्ति को वापस करने पर चर्चा की। साथ ही ईरान के एनर्जी सेक्टर पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने पर भी बात हुई। उधर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वार्ता के दौरान कहा कि पिछले कुछ घंटों में अच्छी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान मिलकर शांति और समृद्धि के लिए काम कर सकते हैं। वेंस के मुताबिक, ट्रम्प चाहते हैं कि दोनों देशों के रिश्तों में नया अध्याय शुरू हो और अगले 10 साल में पश्चिम एशिया की तस्वीर बदल जाए। पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में चल रही इस वार्ता का मकसद क्षेत्र में तनाव कम करना और स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ना है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ईरान की जहाजों को चेतावनीः ईरान की रिवोल्यूशनरी फोर्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को होर्मुज के पास से न गुजरने की चेतावनी दी और कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं तो उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं होगी। 2. ईरानी टीम स्विट्जरलैंड रवानाः अमेरिका से बातचीत करने ईरान की टीम स्विट्जरलैंड रवाना हो गई। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। 3. भारत से जुड़े 3 तेल टैंकर ने होर्मुज पार कियाः भारतीय झंडे वाले तीन तेल टैंकर शनिवार को सुरक्षित रूप से होर्मुज पार कर भारत के लिए रवाना हो गए। इन जहाजों में 8.6 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चा तेल और 94 भारतीय क्रू मेंबर शामिल हैं। 4. नेतन्याहू बोले- हमले जारी रखेंगेः इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा, और दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखेगा। 5. ट्रम्प बोले- पाकिस्तान ने बहुत मदद कीः अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ हुए समझौते में पाकिस्तान ने अमेरिका की बहुत मदद की।

नेपाली पीएम बोले- भारत से सीमा विवाद में ब्रिटेन को मध्यस्थ नहीं बनाना चाहते, पुराने बयान का गलत मतलब निकाला गया

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा है कि भारत के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए उनका देश ब्रिटेन को मध्यस्थ नहीं बनाना चाहता। उन्होंने कहा कि उनके पुराने बयान का गलत मतलब निकाला गया था और नेपाल इस मुद्दे को भारत के साथ सीधे बातचीत से ही सुलझाना चाहता है। चितवन में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आर एस पी) के महाधिवेशन में शाह ने कहा कि कालापानी और लिपुलेख से जुड़े ब्रिटिश शासनकाल के कुछ दस्तावेज मौजूद हैं। उनका कहना था कि इन ऐतिहासिक सबूतों को सामने लाया जाना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि नेपाल किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता चाहता है। शाह ने कहा कि नेपाल अपने पड़ोसी देशों से खुद बातचीत करेगा और सीमा विवाद का समाधान निकालेगा। उन्होंने दोहराया कि भारत के साथ सभी लंबित मुद्दे द्विपक्षीय वार्ता के जरिए ही सुलझाए जाएंगे।

ट्रम्प का दावा- ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर इस्तीफा देंगे, रिपोर्ट- पार्टी के 100 सांसद खिलाफ

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर इस्तीफा देंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि स्टार्मर इमिग्रेशन और ऊर्जा जैसे दो अहम मुद्दों पर विफल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि स्टार्मर जल्द पद छोड़ देंगे। इस बीच, ब्रिटिश अखबार द ऑब्जर्वर की रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टार्मर सोमवार को इस्तीफे का ऐलान कर सकते हैं और पद छोड़ने का रोडमैप भी पेश कर सकते हैं। हालांकि, सरकारी सूत्रों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि स्टार्मर अभी भी प्रधानमंत्री के तौर पर अपने काम पर ध्यान दे रहे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, लेबर पार्टी के 100 से ज्यादा सांसद सार्वजनिक रूप से उनके इस्तीफा पद छोड़ने की समयसीमा की मांग कर चुके हैं। अगर स्टार्मर पद छोड़ते हैं, तो वे पिछले 10 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले छठे ब्रिटिश प्रधानमंत्री होंगे। उनसे पहले डेविड कैमरन, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक भी कार्यकाल में पद छोड़ चुके हैं। ट्रम्प ने भी स्टार्मर के पद छोड़ने के दावा किया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी दावा किया है कि स्टार्मर अपने पद से इस्तीफा देंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि स्टार्मर की इमिग्रेशन और ऊर्जा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि वे इन दोनों मुद्दों पर बुरी तरह विफल रहे हैं। स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव क्यों बढ़ा- स्टार्मर ने 2024 में लेबर पार्टी को बड़ी चुनावी जीत दिलाई थी, लेकिन उसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार घटी है। कई विवादों, नीतिगत यू-टर्न और जीवनस्तर में सुधार के वादों को पूरा नहीं कर पाने की वजह से उनकी इमेज को नुकसान पहुंचा।स्टार्मर की मुश्किलें तब और बढ़ गईं, जब उनके विरोधी एंडी बर्नहैम ने शुक्रवार को उपचुनाव जीत लिया। इस जीत के बाद बर्नहैम पार्टी की कमान संभालने की दावेदारी पेश कर सकते हैं। जीत के बाद बर्नहैम ने कहा कि वह देश को नई दिशा देना चाहते हैं। बर्नहैम के सहयोगी स्टार्मर से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी संकेत दिया कि वह जरूरत पड़ने पर स्टार्मर को नेतृत्व के लिए चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, स्टार्मर ने 19 जून को साफ कहा था कि मैं अपने नेतृत्व के खिलाफ आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करूंगा। साथ ही लेबर पार्टी के नेताओं से आपसी खींचतान से बचने की अपील की थी। ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बार-बार बदलने की वजह-एक्सपर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बार-बार बदलने की बड़ी वजह वहां की संसदीय व्यवस्था है। वहां प्रधानमंत्री को लोग सीधे नहीं चुनते, बल्कि उनकी पार्टी के सांसद उनका समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री तब तक पद पर बने रहते हैं, जब तक पार्टी के सांसद उनके साथ खड़े हों।

थरूर बोले- जम्मू-कश्मीर की स्थिति में सुधार, वहां मुझे पॉजिटिव महसूस हुआ,उनकी पार्टी में नाराजगी, कहा- लोगों से मिलकर जमीनी हकीकत समझते

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने बयान के कारण एक बार फिर अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल, थरूर ने 21 जून को श्रीनगर दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- हमने जम्मू-कश्मीर की स्थिति और हालात में आ रहे सुधार पर बात की। चुनौतियां अभी भी हैं, लेकिन इस दौरे के बाद मुझे पहले से ज्यादा पॉजिटिव महसूस हुआ।थरूर के इस पोस्ट को लेकर कांग्रेस के भीतर ही विरोध शुरू हो गया। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने कहा कि थरूर को कश्मीर के लोगों से भी मिलना चाहिए था, ताकि वे जमीनी हालात को बेहतर तरीके से समझ पाते। विशेष दर्जा खत्म करने का विरोध करती रही है कांग्रेस-थरूर का बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य नहीं कर पाने का आरोप लगाती रही है। साथ ही पार्टी विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का विरोध करती आई है। वहीं भाजपा ने थरूर के बयान का समर्थन करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। पार्टी प्रवक्ता अभिजीत जसरोटिया ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद पत्थरबाजी की घटनाएं लगभग खत्म हो गई हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 18 महीनों में कोई भी कश्मीरी युवा आतंकवादी संगठनों में शामिल नहीं हुआ है।

थरूर बोले- कश्मीर में पर्यटन की अपार संभावनाएं-थरूर 20 जून को श्रीनगर नालंदा डायलॉग नाम के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि यहां पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम त्रासदी के एक साल बाद अब कश्मीर में पर्यटन को फिर से रफ्तार देने का समय आ गया है। 19 जूनः थरूर ने जी7 समिट में पीएम के बयान की तारीफ की थी-थरूर ने दो दिन पहले न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में पीएम की तारीफ की थी। उन्होंने जी7 समिट में ट्रम्प के सामने भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाने और 'ट्रस्ट डेफिसिट' वाले बयान पर पीएम का समर्थन किया। कांग्रेस सांसद ने कहा- यह मैसेज देना जरूरी है कि युद्ध के समय, कमर्शियल जहाजों पर काम करने वाले आम नागरिकों और नाविकों को लड़ाई का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। वे सैनिक नहीं होते, और यही संदेश पीएम मोदी ने दिया। खेड़ा ने कहा- मोदी जितना बोलते नहीं, उनके भक्त उससे ज्यादा सुनते हैं-कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने थरूर पर तंज कसते हुए कहा था कि थरूर जी को न जाने कैसे जोरदार बातें, कड़ा विरोध और बिना समझौता किए की गई कूटनीति सुनाई दी, जो आधिकारिक रिकॉर्ड में कभी आई ही नहीं। इस पर थरूर ने जवाब देते हुए कहा- मैंने पीएम की टिप्पणियों से जुड़ी प्रकाशित रिपोर्टों का जिक्र किया था। मैं जो पढ़ता हूं, उसे याद रखता हूं। मुझ पर कभी किसी बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप नहीं लगा है।

देश में इतिहास का दूसरा सबसे सूखा जून बीत रहा, सामान्य से 42फीसदी कम बारिश

नयी दिल्ली/लखनऊ। देश में मानसून की बारिश के रिकॉर्ड के 126 साल के इतिहास में दूसरा सबसे सूखा जून बीत रहा है। 21 जून तक 57.4 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 42.2फीसदी कम है। इससे पहले 2009 में पूरे जून में कोटे से 49फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड हुई थी। इससे मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में खेती पर बुरा असर पड़ा था। हालांकि, मानसून दो हफ्ते बाद अब आगे बढ़ सकता है। बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बना है, जो मानसून को छत्तीसगढ़ तक पहुंचाएगा। रविवार को मेघालय के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। खासी हिल्स जिले के मॉसिनराम में 24 घंटे में 530 मिमी बारिश दर्ज की गई। यानी एक रात में यहां जितनी बारिश हुई, उतनी जोधपुर-बीकानेर में 6 महीने में होती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को ओले गिरे। वहीं, एमपी के 5 जिलों में आज हीटवेव का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में लू चल सकती है। गर्मी से जूझ रहे 8 राज्य, विदर्भ में रात में भी लू चल रही-उत्तर

प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में तापमान 40-42डिग्री के बीच है। तेलंगाना, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में भी तापमान इसी रेंज में है। विदर्भ के 8 जिलों में लगातार गर्मी के कारण रातें भी गर्म हो रही हैं। यहां रात में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, उत्तर प्रदेश का बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां पारा 42.6 रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कानपुर, वाराणसी, बहराइच और प्रयागराज में भी पारा 42 डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ। राजस्थान के श्रीगंगानगर और हरियाणा के रोहतक में भी पारा 42 डिग्री से ऊपर रहा। मानसून अटकने के कारण क्या हुआ, 4 पॉइंट में जानें- बुआई प्रभावितः 12 जून तक कुल खरीफ बुआई सालाना आधार पर 3.9फीसदी घटकर 84.6 लाख हेक्टेयर रही। फसलों पर असरः दालों का रकबा 43.2फीसदी और कपास का 28फीसदी घटा। हालांकि, धान की बुआई में 28.4फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। राहत की बातः जलाशयों का जलस्तर, क्षमता का 28.3फीसदी है, जो 10 साल के औसत से 16फीसदी अधिक है (सिंचाई के लिए बफर)। जोखिमः जुलाई-अगस्त की बारिश पर रिकवरी निर्भर करेगी। कमी रहने पर खाद्य महंगाई और ग्रामीण आय पर दबाव बढ़ सकता है।

प्रयागराज में भव्य अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव सम्पन्न, 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने किया सामूहिक योग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को हुए

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से परमार्थ त्रिवेणी आश्रम द्वारा आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 2026' अत्यंत भव्य एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। योग, ध्यान, वैदिक यज्ञ, संगीत एवं आध्यात्मिकता के अनूठे समन्वय ने उपस्थित जनसमूह को एक दिव्य एवं अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 5:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विशेष हवन के साथ हुआ। ऋषि कुमार एवं विशिष्ट अतिथियों ने विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण एवं मानव कल्याण की कामना के साथ यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। गुग्गल, लोबान एवं अन्य औषधीय सामग्री से संपन्न हवन के कारण सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं सुगंध से भर उठा। शास्त्रीय संगीत के साथ प्रतिभागियों का स्वागत किया गया, जिसके पश्चात ऋषि कुमार द्वारा योग एवं भारतीय संस्कृति पर आधारित प्रेरणादायी प्रस्तुति दी गई। इसके बाद कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत सामूहिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें लाइव भजन, योग संगीत, प्राणायाम एवं ध्यान का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक एवं भावनात्मक क्षण वह रहा जब ध्यान सत्र से पूर्व परम पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के आशीर्वाद स्वरूप सभी प्रतिभागियों को रुद्राक्ष माला धारण कराई गई। रुद्राक्ष माला धारण कर हजारों लोगों द्वारा सामूहिक रूप से किए गए ध्यान एवं ओम् जप ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक चेतना से भर दिया।कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक एवं योग संस्थाओं के प्रतिनिधियों, योगाचार्यों, स्वयंसेवकों तथा युवाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। आयोजन में 40 से अधिक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं डिजिटल क्रिएटर्स भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की व्यापक कवरेज की। सैकड़ों वीडियो, रील्स एवं सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से यह आयोजन पूरे जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों में चर्चा का विषय बना रहा। सम्मान समारोह के दौरान विशिष्ट अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं, योगाचार्यों, संचालकों, स्वयंसेवकों एवं आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सहयोगियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने इस आयोजन को योग, संस्कृति और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में एक अभिनव एवं प्रेरणादायी पहल बताया। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों, सहयोगी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग और पूज्य स्वामी जी के आशीर्वाद से यह महोत्सव ऐतिहासिक सफलता प्राप्त कर सका। इस अवसर पर आयोजकों ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी योग, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार हेतु ऐसे जनजागरण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। जारीकर्ताःपरमार्थ त्रिवेणी आश्रम, प्रयागराज अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव आयोजन समिति 'योग केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वास्थ, संतुलित एवं जागरूक जीवन का आधार है।

आशा यस ए वन फाउडेशंन ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरहुआ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज सुद्धिपुर

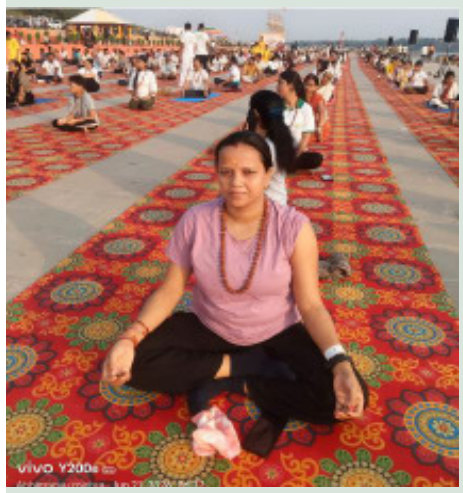

स्थित आशा यस ए-वन फाउंडेशन और जय हिंद योग सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास कर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखाई।आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों के प्रति जागरूक करना है। योग एक ऐसी जीवनशैली है जो तनावपूर्ण आधुनिक जीवन में संतुलन और शांति स्थापित करने में सहायक है। नियमित योगाभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ता है, रक्त संचार बेहतर होता है तथा तनाव और चिंता में राहत मिलती है। जय हिंद योग प्रशिक्षण एवं योगाभ्यास केंद्र के संस्थापक आचार्य नरेंद्र यादव ने बताया कि वे बच्चों और बुजुर्गों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं तथा व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। कार्यक्रम के दौरान दक्ष पाल ने चक्रासन, मयूरासन, पुष्ट आसन सहित विभिन्न उन्नत योगासनों का प्रदर्शन कर लोगों को उनके लाभों की जानकारी दी। इस अवसर पर आशा यस ए वन फाउडेशन के जिला अध्यक्ष व मीडिया प्रभारी सर्वेश यादव, कमलेश मौर्य, रेखा सिंह, निशा देवी, मोहम्मद सलीम, शेख बाबू, अंकित, वृंदा नारायण, अक्षत यादव, मीना देवी आदित्य यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चारो तरफ योग मय हुई रायबरेली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के आवाहन पर 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद

रायबरेली में प्रशासनिक/ सामाजिक संगठन/ न्यायिक अधिकारियों/

सुरक्षा बलो सहित अनेक संगठनों ने प्रात 5:00 बजे से सार्वजनिक स्थलों पर इकट्ठा होकर योग कर अपने जीवन को स्वस्थ बनाए रहने का प्रण लिया। स्थानीय मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री खाद्य एवं रसद विभाग मनोज कुमार पांडे, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बुद्धि लाल पासी, विधायक सलोन अशोक कुमार कोरी ,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रोफेसर जे 0डी0 द्विवेदी, प्रमुख सचिव व नोडल अधिकारी हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग उत्तर प्रदेश शासन अनिल कुमार सागर, जिलाधिकारी सरनजीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता सहित प्रदेश के जनपद स्तरीय समस्त अधिकारी तथा कर्मचारी एवं हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 90 वर्षीय बयोवृद्ध डलमऊ मठ के महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्रानंद गिरि जी महाराज , वरिष्ठ योग शिक्षक रामशरण जी रहे ।योग का प्रारंभ प्रमुख एवं विशेष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया । कार्यक्रम का संचालन सूरज शुक्ला तथा प्रोटोकॉल के तहत योग का प्रशिक्षण डॉ रवि प्रताप सिंह द्वारा कराया गया।वहीं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार माननीय

जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह के निर्देशन में विशेष योग शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के समस्त न्यायाधीश एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनीशा, लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के के राजकुमार सिंह ,डिप्टी जयसिंह यादव ,असिस्टेंट योगेश चंद्र ,विपिन कुमार उपस्थित रहे साथ ही जेल प्रशासन से जेल अधीक्षक प्रभात सिंह जेलर हिमांशु सौतेला रौतेला जय चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील अग्रवाल डिप्टी जेलर अंकित गौतम तथा अन्य न्यायाधीश एवं विधिक कर्मचारी उपस्थित रहे। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र गोरा बाजार रायबरेली में सेवा निवृत्त अनुदेशक यू0बी0 सिंह द्वारा आईटीआई कर्मचारियों को अनुदेशकों को एवं आसपास के उपस्थित लोगों को योगा कराया गया। योग में राजकुमार मौर्य अनुदेशक सहित समस्त अनुदेशक सी0एम0 श्रीवास्तव, महेंद्र सिंह, आर0पी0 सिंह, सैंकड़ों की संख्या में पुरुष व महिलाएं उपस्थित रहे।अंत में महेंद्र सिंह एवं सी0एम0श्रीवास्तव में उपस्थित लोगों को स्वल्पाहार कराता। शहीद स्मारक मुंशीगंज में मातृभूमि शिवम मिशन इकाई रायबरेली द्वारा दिनांक 18 जून से चल रहे पांच दिवसीय विशेष योग शिविर में आज व्रहद स्तर पर योग अभ्यास कराया गया आज के योग शिविर में ब्रह्म कुमारी प्रजापति की प्रमुख संवासनीयां उपस्थित रहीं। रोज की भांति उपस्थित योगियों द्वारा योग पर महत्व एवं नशा मुक्ति भारत बनाए जाने हेतु विशेष बल दिया गया।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।आज किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधि मण्डल माँ अमिलाधाम व मक्षेन्द्रनाथ मन्दिर परिसर में विजली व्यवस्था को चालू कराने हेतु मुख्य अभियन्ता के मिलकर पत्र देने के आग्रह पर मोर्चा संयोजक व मोर्चा के सह संयोजक आकाश चौहान ने मिलकर दोनों मन्दिर परिसर में बिजली जल्द पहुँचाई जाय ऐसा पत्र मिर्जापुर मुख्य अभियन्ता कार्यालय में पहुँच कर मुख्य अभियांता श्री एल बी सिंह जी को पत्र देकर आग्रह किया कि आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी दोनों मन्दिर परिसर में बिजली न पहुंचना बहुत बड़ा दुर्भाग्य है यदि जल्दी दोनों जगह बिजली न पहुंची तो मोर्चा आन्दोलन करने को बाध्य होगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग व प्रशासन की होगी।

आज़ाद अधिकार सेना ने सोशल मीडिया पर बढ़ती नफ़रत के विरुद्ध राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज आज़ाद अधिकार सेना की जिला इकाई द्वारा आज राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिला

प्रशासन के माध्यम से प्रेषित किया गया, जिसमें सोशल मीडिया पर बढ़ती घृणास्पद अभिव्यक्तियों (हेट स्पीच), सांप्रदायिक, जातीय, धार्मिक एवं राजनीतिक आधार पर फैलाए जा रहे वैमनस्य तथा हिंसा को प्रोत्साहित करने वाली सामग्री के विरुद्ध प्रभावी राष्ट्रीय नीति बनाए जाने और निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर बढ़ती नफ़रत सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संवाद तथा संविधान में निहित बंधुत्व और समानता के मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। इसलिए केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा बिना किसी राजनीतिक, धार्मिक अथवा वैचारिक भेदभाव के ऐसे मामलों में समान रूप से कार्रवाई की जानी चाहिए। इस अवसर पर आज़ाद अधिकार सेना द्वारा हाल ही में प्रारंभ किए गए 'आस हेट वॉच' अभियान का भी उल्लेख किया गया। पार्टी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सोशल मीडिया पर प्रसारित घृणास्पद, विभाजनकारी एवं हिंसा को बढ़ावा देने वाली सामग्री की निगरानी करना, ऐसे मामलों का तथ्यात्मक संकलन करना तथा समाज में अमन, सम्मान, संवैधानिक मूल्यों और सद्भाव को प्रोत्साहित करना है। आज़ाद अधिकार सेना ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं से अपील की है कि वे नफ़रत और वैमनस्य के विरुद्ध तथा संविधान की मूल भावना के पक्ष में आगे आएँ। इस अवसर पर पार्टी की ओर से (सभी नाम) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष राहुल पटेल शोभित कुमार सिंह मंडल प्रभारी मिर्जापुर सुशील कुमार जिला प्रभारी सोनभद्र अरविंद जायसवाल संगठन मंत्री सोनभद्र महिला ब्रिगेड जिला अध्यक्ष सुषमा सिंह सोनभद्र। आज़ाद अधिकार सेना जिला।

पूंजी पलायन रोक लगा किया जाए रोजगार सृजन, रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर/सोनभद्र। जनगणना में

आदिवासी धर्म कोड शामिल करने समेत 8 सूत्रीय एजेण्डे पर जारी रोजगार सामाजिक अधिकार यात्रा नवाटोला, बलियरी, सुपांचुआ, लौबन, फाटपखना गांव में पहुंची। जहां ग्रामीणों के साथ संवाद किया गया। संवाद में कहा गया कि यदि सोनभद्र जनपद से बैंकों में जमा पूंजी के 60 प्रतिशत पलायन को रोक दिया जाए और इसे महिलाओं और नौजवानों को सस्ते दर पर ऋण के रूप में दिया जाए तो बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की लूट पर बोलते हुए वक्ताओं ने कहा कि इनके द्वारा 30 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज वसूली के कारण महिलाओं का जीवन बेहाल हो गया है। तमाम नॉन बैंकिंग कंपनियां आम आदमी की गाढी कमाई का जमा पैसा लूट कर भाग जा रही है।

इनकी लूट पर लगाम लगाने के लिए कानून बनाना आज बेहद जरूरी है। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासियों की पहचान खत्म करने की कोशिश हो रही है और उन्हें वनवासी कहकर संबोधित किया जा रहा है। ऐसे में पूरे देश में उठ रही आदिवासी धर्म कोड को जनगणना में शामिल करने की मांग बेहद महत्वपूर्ण है जिसे सरकार को पूरा करना चाहिए।

यात्रा में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका, जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, रामविचार गोंड, समरजीत गोंड, महावीर गोंड, राम लखन गोंड, राजेंद्र प्रसाद गोंड, रामस्वरूप, राम अवतार पनिका, झांझरिया देवी, ललित कुमार गोंड, रामदास गोंड, काशी चेरो, ओम प्रकाश बैगा आदि लोग शामिल रहे।

विश्व योगा दिवस

विश्व योग दिवस पर विधायक शरद कोल सहित सैकड़ों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास,करो योग, रहो निरोग के संदेश से गूंज उठी केशरवानी धर्मशाला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर की केशरवानी धर्मशाला रविवार सुबह योगमय

वातावरण में सराबोर नजर आई। करो योग, रहो निरोग के उद्घोष के साथ आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक शरद कोल सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह से ही धर्मशाला परिसर में लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया था। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित जनसमूह ने ताड़ासन, भुजंगासन, वङ्कासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। विधायक शरद कोल ने स्वयं योगासन कर लोगों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली और बढ़ते तनाव के दौर में योग स्वस्थ रहने का सबसे सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम है। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि- 'भारत की प्राचीन योग परंपरा आज पूरे विश्व में स्वास्थ्य और कल्याण का प्रतीक बन चुकी है। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देशों में योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। लोगों से प्रतिदिन कुछ समय योग और प्राणायाम के लिए निकालने का आग्रह किया गया।' कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वस्थ, निरोग और तनावमुक्त जीवन के लिए नियमित योग करने का संकल्प लिया। योग दिवस के इस आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, और योग ही स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव है।

सब-स्टेशन की अंडरग्राउंड केबलों में भीषण आग,फीडर बंद, 6 लाख की आबादी की सप्लाई ठप

प्रयागराज। प्रयागराज में कालिंदीपुरम 120 फीट सब स्टेशन के ऑटो फीडर की अंडरग्राउंड केबलों में भीषण आग लग गई। कुछ ही पलों में आग ने पूरी केबल का चपेट में ले लिया। दमकल के पहुंचने से पहले ही केबलें जल गईं। बाद में फायर सर्विस और बिजली विभाग की टीमों ने पहुंच आग बुझाई। आग की वजह से उस इलाके की विद्युत सप्लाई बंद कराई गई। आग लगने की वजह से 11000 की अंडरग्राउंड केबल से सप्लाई ठप है। सुबह से दोपहर तक मरम्मत का काम चला लेकिन अब तक सप्लाई

चालू नहीं हो सकी है। इसकी वजह से 5 से 6 लाख उपभोक्ता परेशान हैं। सभी फीडर बंद होने के कारण बड़ी आबादी बिजली सप्लाई से महरूम है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि काम तेजी से कराया जा रहा है लेकिन रात तक मरम्मत का कार्य पूरा हो सकेगा। भीषण गर्मी में इन दिनों शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार ट्रांसफार्मरों में आग लग रही है। जगह जगह केबिलों में चिंगारी उठने से आग बढ़ जा रही है। एक तो बिजली कटौती दूसरे आग लगने की वजह से सप्लाई ठप होने से बिजली संकट गहरा गया है। इससे हजारों लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

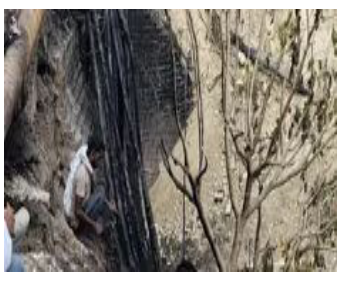

सलखन फॉसिल्स पार्क में भव्य आयोजन के साथ मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग स्वस्थ जीवन, मानसिक संतुलन और आत्मिक उन्नति का सशक्त माध्यमःराज्य मंत्री, जनपद की तहसीलों, विकास खंडों, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में हुआ सामूहिक योगाभ्यास,सलखन फॉसिल्स पार्क की वैश्विक पहचान को मिला नया आयाम, विश्व धरोहर सूची में शामिल होने की दिशा में अग्रसर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोनभद्र में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम विश्व प्रसिद्ध सलखन फॉसिल्स पार्क में आयोजित किया गया। जहां समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़, जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है। जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरा विश्व योग की महत्ता को स्वीकार कर रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को नियमित जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि योग केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली का आधार है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत तथा सामाजिक रूप से अधिक सक्रिय बनता है। उन्होंने जनपदवासियों से प्रतिदिन योग करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। जनपद के नोडल अधिकारी एवं आयुक्त विंध्याचल मंडल, मीरजापुर श्री राजेश प्रकाश ने सिंचाई विभाग के डाक बंगला, पिपरी में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो वर्तमान समय में स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की आवश्यकता बन चुका है। योग न केवल रोगों से बचाव का माध्यम है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास, कार्यक्षमता वृद्धि और मानसिक शांति का भी आधार है। उन्होंने कहा कि योग को जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद की सभी तहसीलों, विकास खंडों, नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों, ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न सरकारी कार्यालयों में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में हजारों लोगों ने योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सलखन फॉसिल्स पार्क के ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों की यह धरोहर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है तथा यूनेस्को की संभावित विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित होने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे गौरवशाली स्थल पर आयोजित योग दिवस कार्यक्रम ने भारतीय संस्कृति, प्राकृतिक धरोहर और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को एक साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, समस्त जनपद स्तरीय अधिकारीगण, सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व प्रसिद्ध सलखन फॉसिल्स पार्क में आयोजित जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में योगाभ्यास करते राज्य मंत्री जिलाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं नागरिक।

बटूरा तो ट्रेलर है कोयले के काले धंधे की पूरी फिल्म बिछिया रुंगटा और केशवाही में मौजूद

मरखी माता मंदिर का अस्तित्व भी खतरे में, जेसीबी और पोकलेन से अवैध कोयले का उत्खनन

म.प्र/शहडोल। जब सर्वोच्च सत्ता ने बटूरा में अवैध कोयले के उत्खनन और मौत के कुएं की खबर प्रकाशित की तो कई लोगों के फोन आए कई लोगों ने वीडियो भेजा और कई लोगों ने अन्य प्रमाणित जानकारी जिसके आधार पर कहा जा सकता है कि बटूरा तो कोयला माफियाओं का अवैध उत्खनन का ट्रेलर मात्र है इन माफियाओं के बुलंद हौसले और अवैध कोयले से जुड़े काले साम्राज्य को देखना और समझना है तो केशवाही पुलिस चौकी के पीछे आना होगा जहां पर जेसीबी और पोकलेन मशीन लगाकर अवॉइड कोयले का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है? कोयला माफियाओं के लिए अगर कहीं पर अनूरपुर शहडोल जिले में स्वर्ग है तो वह अमलई और मुद्धार थाना क्षेत्र में ही है एक अनुमान के तहत दोनों थाना क्षेत्र को चिन्हित किया जाए तो लगभग 50 ऐसे बिंदु हैं जहां से प्रतिदिन कोयले का खुलेआम अवैध उत्खनन किया जा रहा है और ऐसे प्वाईंट में से सबसे टॉप पर है कशाचाही पुलिस चौकी के पीछे का मखौं माता बाँदर जहां पर तो कोयला माफियाओं ने हर सीमा पार दी है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि यहां पर जेसीबी और चेकलेन मशीन लगाकर कोपल का अवैध उत्खनन खुलेआम दिन दहाड़े किया जाता है हां यह अलग बात है कि रात में 10:00 के बाद इनका अवैध ढंग से परिवहन किया जाता है और सूत्रों से मिल रही सटीक जानकारी अनुस्वार प्रतिदिन पहां से 10 से 15 तक अवैध रूप से कोयला निकाला जा रहा है और यही नहीं तरह से एक अनुमान के तहत यहां पर प्रतिदिन कोयले के अवैध कारोबार का जो आका है वह 20 से 25 लाख का है और इसमें स्थानीय से लेकर बुढार तक के वड़े बड़े कोपला माफिया और ट्रांसपोर्टर शामिल है स्थानीय स्तर पर बाकोहार कार परिषद से अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुका। एक दबंग जो तहवेल भानया संगठन के अपने एक सनातीय दबंग नेहा का रिश्तेदार बताकर इस पूरे गोल को खेल रहा है और सूत्रे से मिल रही जानकारी के अनुसार यहां के इस काले गंधे में सामने आने वाले दोनों बेहोसिमेंमें एक ने अभी बधान में 30 लाख का मकान सारीदा है तो तो दूसरे ने कोतमा में 20 लाहा का आप इसी से अनुमान लगा सकते हैं कि इनकी प्रतिदिन की अवैध कमाई कितनी होगी फिलहाल वह बिंदु इस समय पुर शहावेल जिले में सबसे टॉप पर है सबसे सुरक्षित भी है क्योंकि इसमें भाजपा के एक बड़े नेता का संरक्षण है कोयला माफिया तो साथ में तनकर खड़े ही है और कहा जात है कि जब अपराधी और नेता का गठजोड़ हो जाता है तो पुलिस और प्रशासन को भी अवैध कार्य की हरी झंडी देने में आसानी हो जाते है और ही यहां पर हो रहा है। विजय बढ़ी प्यादे अशोक वजीर पर्दे के पीछे कोयला माफियाओं का राजा-वैसे तो कोषला कियाओं के इस कालेधे के खेल को समझना आसान नहीं है वैसे तो यह सभी कहा जाता है यहीं पर भी देखा जाए कई और और बाथा के बाद जब यह कुर्सी खाली हुई तो कई लोग हाथ पैर पटकने लगे यहां तक कि उनका सण भाई भी हे पर चोट देने के लिए दुश्मनों से कंधा मिलाकर चलने लगा और एक बार फिर यहां पर इस काले वर्चस्व की जंग छिड़ी हुई है बड़ी और विनय जैसे प्यादे तो हर जगह मौजूद हैं और हर 20 पॉइंट पर अशोक जैसे बनोर इस तरह से देखा लाए तो इस क्षेत्र में 50 से ज्यादा.कोका माफिया के प्यारे है वो 15 वजीर हां इस खेल का राजा कौन है वह पान के पीछे है लेकिन सब कुछ कंट्रोल उथी के हाथ में है और कहां जाता है कि बुखार और अमलां के साथ-साथ मुहानपुर और अनूपपुर जिले के और बिनुरी में जहां भी कोयले के काले धंधे का पत्ता भी सखटकता है वहां राजा एंट्री होती है फिलहाल अब कहें वजीर राजा करने की तालाश में है इसीलिए यहां उ की पटक भी है लेकिन अभी भी सफेद पेट का चेहरा ओढ़ कर कोयता माफिया किंग बना यह व्यक्ति अब बहुत दिनों तक पढ़ें के पैडे नहीं रह पाएण ऐसा पुलिस विभाग के साथ माथ प्रदेश के हैं कि सरकार की नजर इस पर पड़ चुकी है टिक चुकी है और भोपाल में बैठे एक दबंग अधिकारी ने मुख्यमंत्री से सीधे ब्रीफिंग करके अबंदड कोयले के काले साम्राज्य की एक एक अध्याय की जबर दे दी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में किसानों के हितों की रक्षा की मांग, भाकियू ने प्रधानमंत्री को भेजा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) द्वारा रविवार को सेक्टर-29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता आयोजित कर भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते (Interim Trade Agreement) को लेकर किसानों की चिंताओं को सार्वजनिक किया गया। इस दौरान भाकियू नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक पत्र जारी करते हुए किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। प्रेसवार्ता में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत एवं राष्ट्रीय महासचिव चौधरी युद्धवीर सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जुड़े विभिन्न मीडिया रिपोर्टों और सार्वजनिक सूचनाओं के आधार पर किसानों में गहरी चिंता और आशंका व्याप्त है। उनका कहना था कि यदि समझौते के तहत कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती की जाती है और अमेरिकी कृषि एवं खाद्य उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को अधिक खोला जाता है, तो इसका सीधा असर देश के किसानों की आय और आजीविका पर पड़ेगा। भारतीय किसान सीमित संसाधनों में खेती कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी सब्सिडी प्राप्त कृषि उत्पादों के साथ भारतीय किसानों को प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर करना न्यायसंगत नहीं होगा। उन्होंने आशंका जताई कि डेयरी, पोल्ट्री तथा अन्य कृषि उत्पादों के आयात में वृद्धि से देश के किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो सकता है। प्रेसवार्ता के दौरान चौधरी युद्धवीर सिंह ने यह भी कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंच पर अमेरिका लगातार भारत की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था पर सवाल उठाता रहा है। यदि किसी भी स्तर पर एमएसपी व्यवस्था को कमजोर करने या उसमें बदलाव करने का दबाव स्वीकार किया गया, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव करोड़ों धान एवं गेहूं उत्पादक किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं के दौरान किसानों, मछुआरों, डेयरी एवं पोल्ट्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा ऐसा कोई समझौता न किया जाए जिससे देश की कृषि व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और किसानों की आजीविका प्रभावित हो। सब्सिडी प्राप्त कृषि उत्पादों के साथ भारतीय किसानों को प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर करना न्यायसंगत नहीं होगा। उन्होंने आशंका जताई कि डेयरी, पोल्ट्री तथा अन्य कृषि उत्पादों के आयात में वृद्धि से देश के किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो सकता है। प्रेसवार्ता के दौरान चौधरी युद्धवीर सिंह ने यह भी कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंच पर अमेरिका लगातार भारत की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था पर सवाल उठाता रहा है। यदि किसी भी स्तर पर एमएसपी व्यवस्था को कमजोर करने या उसमें बदलाव करने का दबाव स्वीकार किया गया, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव करोड़ों धान एवं गेहूं उत्पादक किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं के दौरान किसानों, मछुआरों, डेयरी एवं पोल्ट्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा ऐसा कोई समझौता न किया जाए जिससे देश

करो योग,रहो निरोग,नोएडा स्टेडियम में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और आत्मिक शांति का संदेश देने वाली भारत की महान योग परंपरा के प्रतीक 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नोएडा सेक्टर-21 इंडोर स्टेडियम में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया।कार्यक्रम में महानगरवासियों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया गया। इस गरिमामय अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, आयुष मंत्रालय के मुख्य सचिव अनुराग गौतम, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर श्रीमती मेधा रूपम एवं सी.पी. मिश्रा, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान की उपस्थिति रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग आज भारत की सांस्कृतिक विरासत से आगे बढ़कर विश्व कल्याण का माध्यम बन चुका है। इसी क्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया।

लखनऊ की कोचिंग में आग,15 स्टूडेंट्स की मौत,आग से बचने के लिए बाथरूम में छिपे थे बच्चे

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 2:15 बजे एक इमारत में आग लग गई।

हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 महिलाएं और 12 पुरुष हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अलीगंज इलाके में है। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3डी आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है। जानकारी के मुताबिक, आग फैलने के बाद दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। जयंत नाम के एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई। लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

अभी आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बेसमेंट में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियां मौके पर हैं। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ भी पहुंची हैं। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा है, जिससे शव निकाले जा रहे हैं। घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गईं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं।

22 तारीख से बंद हो होगा माँ कामाख्या के दरबार पुनः 26 को खोला जाएगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लम्भुआ। तीर्थ राज धोपाप, उत्तर प्रदेश के अवध प्रांत के सुल्तानपुर जनपद में आदि-गंगा गोमती नदी के तट पर स्थित एक प्रमुख धार्मिक तीर्थस्थल है, इसे 'धोपाप धाम' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि यह वही स्थान है जहां पर भगवान श्री राम ने लंकेश्वर रावण का वध करने के पश्चात महर्षि वशिष्ठ के आदेशानुसार स्नान करके स्वयं को 'ब्रह्महत्या'के पाप से मुक्त किया था। लोगों का मानना है कि जो भी व्यक्ति गंगा दशहरे के अवसर पर यहां स्नान करता है, उसके सभी पाप आदिगंगा गोमती नदी में धुल जाते हैं। आदिमकाल में यहां भरों का राज था राजा गरहा भर और राजा हेल भर जैसे नाम इतिहास के पन्नों में आज भी दर्ज है। यहां एक विशाल मंदिर भी स्थित है। गंगा दशहरा के अवसर पर यहाँ सुलतानपुर ,उत्तर प्रदेश के ही नहीं बल्कि भारत के अन्य प्रांतों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और आदिगंगा गोमती में डुबकी लगाने के पश्चात पूजन-अर्चन करते हैं। सम्पूर्ण अवध में 'धोपाप' के महत्व को कुछ इस तरह से समझाया गया है:--ग्रहणे काशी, मकरे प्रयाग। चैत्र नवमी अयोध्या, दशहरा धोपाप।अर्थात् अगर वर्ष भर में ग्रहण का स्नान काशी में, मकर संक्रान्ति स्नान प्रयाग में, चैत्र मास नवमी तिथि का स्नान अयोध्या में और ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष दशहरा तिथि का स्नान 'धोपाप' में कर लिया जाय तो अन्य किसी जगह जाने की आवश्यकता ही नहीं है। बस इतने मात्र से ही मनुष्य को सीधे बैकुण्ठ की प्राप्ति होती है...!! यह पावन स्थली की स्थापना भगवान रामचंद्र ने किया था जिसका पुनर्निर्माण दीप नगर के राजा ने किया था मान्यता के अनुसार राजा को भवानी सपना आई और भवानी ने आदेश दिया की मंदिर तीन पीठ की स्थापना हो राजा ने सपन को मानते हुए भूतल सौभाग्य गणपति, श्री राम दरबार, शिव परिवार , माँ कामाख्या द्वितीय तल पर त्रिपुरा सुंदरी व ऊपरी तल पर बरही देवी स्थापना की इस मंदिर को उल्लेख पद्म पुराण (पंकज पुराण) व रामायण एवं रामचरितमानस में मिलता है। यहाँ कामख्या माँ तीन मासिक धर्म में जाति है इस दौरान माँ के कपाट जान उपरांत बंद कर दिया जाता है फिर चार दिन बाद खोला जाता है अम्बुवाची पर्व। विश्व के सभी तांत्रिकों, मांत्रिकों एवं सिद्ध-पुरुषों के लिये वर्ष में एक बार पड़ने वाला अम्बूवाची योग पर्व वस्तुत एक वरदान है। यह अम्बूवाची पर्व भगवती (सती) का रजस्वला पर्व होता है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार सतयुग में यह पर्व 16 वर्ष में एक बार, द्वापर में 12 वर्ष में एक बार, त्रेता युग में 7 वर्ष में एक बार तथा कलिकाल में प्रत्येक वर्ष जून माह (आषाढ़) में तिथि के अनुसार मनाया जाता है। यह एक प्रचलित धारणा है कि देवी कामाख्या मासिक धर्म चक्र के माध्यम से तीन दिनों के लिए गुजरती है, इन तीन दिनों के दौरान, कामाख्या मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं। इस बार अम्बूवाची योग पर्व जून की 22, 23, 24, 25, 26 तिथियों में मनाया गया। पौराणिक सन्दर्भ-पौराणिक सत्य है कि अम्बूवाची पर्व के दौरान माँ भगवती रजस्वला होती हैं और मां भगवती की गर्भ गृह स्थित महामुद्रा (योनि-तीर्थ) से निरंतर तीन दिनों तक जल-प्रवाह के स्थान से रक्त प्रवाहित होता है। यह अपने आप में, इस कलिकाल में एक अद्भुत आश्चर्य का विलक्षण नजारा है। कामाख्या तंत्र के अनुसार -योनि मात्र शरीराय कुंजवासिनि कामदा।रजोस्वला महातेजा कामाक्षी ध्येताम सदा? शरणागतदिनार्त परित्राण परायणे। सर्वस्याति हरे देवि नारायणि नमोस्तु ते। इस बारे में 'राजराजेश्वरी कामाख्या रहस्य' एवं 'दस महाविद्याओं' नामक ग्रंथ के रचयिता एवं मां कामाख्या के अनन्य भक्त ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी ने बताया कि अम्बूवाची योग पर्व के दौरान मां भगवती के गर्भगृह के कपाट स्वत ही बंद हो जाते हैं और उनका दर्शन भी निषेध हो जाता है। इस पर्व की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरे विश्व से इस पर्व में तंत्र-मंत्र-यंत्र साधना हेतु सभी प्रकार की सिद्धियाँ एवं मंत्रों के पुरश्चरण हेतु उच्च कोटियों के तांत्रिकों-मांत्रिकों, अघोरियों का बड़ा जमघट लगा रहता है। तीन दिनों के उपरांत मां भगवती की रजस्वला समाप्ति पर उनकी विशेष पूजा एवं साधना की जाती है।

यह सरकार पूरी तरह से किसानों की विरोधी है-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गैलन में डीजल की मांग से शुरू हुआ यह विरोध अब सरकार की किसान नीति पर बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। क्या किसानों की मांगें मानी जाएंगी या आंदोलन और उग्र होगा, इस पर सबकी नजर बनी हुई है। एंकर .. खेतों की लड़ाई अब सड़क पर आ गई है। गैलन में डीजल देने की मांग को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने रामगढ़-रावटसगंज स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। प्रदर्शन के दौरान मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा– 'यह सरकार पूरी तरह किसान विरोधी है।' आखिर क्यों सड़क पर उतरे किसान, देखिए हमारी यह खास रिपोर्ट।' वीओ-1 रामगढ़ पेट्रोल पंप के पास सुबह से ही किसानों की भीड़ जुटनी शुरू हुई। देखते ही देखते किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के बैनर तले किसानों ने हाईवे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और रामगढ़-रावटसगंज मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। सड़क पर ट्रैक्टर, बाइक और वाहनों की लंबी कतारें दिखाई देने लगीं। वीओ-2 प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संदीप मिश्रा ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि किसान खेती के लिए डीजल पर निर्भर हैं, लेकिन उन्हें गैलन और जर्किन में डीजल नहीं दिया जा रहा है। इससे खेती का काम प्रभावित हो रहा है और किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं विजयगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे किसानों ने एकजुट होकर सरकार से तत्काल व्यवस्था बदलने की मांग की। किसानों का कहना है कि अगर खेत तक मशीनें और डीजल नहीं पहुंचेगा तो खेती कैसे होगी। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने बताया कि'यह सरकार पूरी तरह किसान विरोधी है। किसानों को उनके गैलन में डीजल नहीं दिया जा रहा है। यदि हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो यह आंदोलन पूरे जिले में फैलाया जाएगा।' आज के कार्यक्रम विजेन्दर पटेल राजू मौर्य दिनेश पटेल धीरज कनौजिया राकेश पाण्डेय प्रमोद धागर जितेन्द्र लाकडा आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सन्जय बियार मगरु मौर्य विजय विक्की पटेल सुजीत सुभम सिह व सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

युवा कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने का आह्वान, समाजवादी यूथ में कई पदाधिकारियों की नियुक्ति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र में समाजवादी मुलायम सिंह यादव यूथ की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूथ जिलाध्यक्ष सत्यम पांडे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राम निहोर यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत नौजवान हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की नीतियों और विचारों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें तथा संगठन को मजबूत बनाएं, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को ऐतिहासिक सफलता मिल सके। यूथ जिलाध्यक्ष सत्यम पांडे ने कहा कि सभी युवा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे पार्टी नेतृत्व के निर्देशों को जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार पर युवाओं की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि नौजवानों को संगठित होकर बदलाव की दिशा में कार्य करना चाहिए। बैठक के दौरान संगठन विस्तार करते हुए अतुल दुबे को जिला उपाध्यक्ष, नीलू केशरी को जिला सचिव, रवि चौबे को रॉबर्ट्सगंज ब्लॉक अध्यक्ष तथा अंकित पांडेय को ओबरा विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर जिला महासचिव पिंटू पटेल, गुलाम यासीन, आदिल अंसारी, सुशील राय, बालेश्वर यादव, सुधीर पाठक, राजकुमार मौर्य, धीरज मोदनवाल, आसमा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कचहरी परिसर में 12वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र के तत्वाधान में प्रभारी जिला जज गोविंद मोहन के नेतृत्व में रविवार को कचहरी परिसर में अधिकारियों व कर्मचारीयों ने हर्षोल्लास पूर्वक 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी द्वारा सर्वप्रथम प्रभारी जिला जज गोविंद मोहन को पतंजलि टी-शर्ट, पतंजलि कैप, पतंजलि अंग वस्त्र तथा स्वामी बाबा रामदेव द्वारा रचित योगाभ्यास पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया,तत्पश्चात मंत्र उच्चारण के साथ प्रोटोकॉल के तहत योगाभ्यास कराया गया तथा योग से होने वाले लाभ के बारे में बताते हुए नियमित योग करने का संकल्प दिलाया गया। सिविल जज सिनियर डिविजन डॉ रामेश्वर दयाल को तथा उपस्थित कर्मचारियों को पतंजलि कैप तथा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के वरिष्ठ अधिवक्ताअनुरोध कुमार त्रिपाठी भी मौजूद रहे,दयानंद मौर्य ने बहुत सुंदर योगगीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से विद्याभूषण मिश्रा ,महेंद्र कुमार, राजेश कुमार मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार चौरसिया, अश्वनी ,सुरेंद्र कुमार पाल, चंद्रसेन, शिशु कुमार द्विवेदी समेत काफी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। अंत में शांति पाठ के साथ योगाभ्यास संपन्न कराया गया।

लेखपालों को मिली बड़ी राहत, 31.81 लाख रुपये के भुगतान को जिलाधिकारी की मंजूरी

आय, जाति व निवास प्रमाण पत्रों के कार्य हेतु लंबित भुगतान स्वीकृत,लेखपाल संघ की मांग पर जिलाधिकारी का त्वरित निर्णय, दो वर्षों से लंबित धनराशि होगी वितरित,प्रमाण पत्रों के निष्पादन में लगे लेखपालों को मिलेगा बकाया भुगतान,लेखपालों के हित में बड़ा फैसला, डीईजीएस मद से 31.81 लाख रुपये जारी करने की स्वीकृति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के आवेदन पत्रों की प्रिंटिंग एवं अन्य व्ययों के प्रतिपूर्ति भुगतान को लेकर लेखपालों को बड़ी राहत मिली है। विगत दो वर्षों से लंबित इस भुगतान के संबंध में लेखपाल संघ द्वारा जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ को ज्ञापन देकर शीघ्र भुगतान की मांग की गई थी। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया तथा संबंधित अभिलेखों एवं तहसीलों से प्राप्त विवरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके क्रम में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के अंतर्गत जनसेवा केंद्रों के द्वारा ई-डिलीवरी माध्यम से प्राप्त आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों के आवेदन पत्रों की प्रिंटिंग आदि पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति हेतु कुल 31,81,405 रुपये की धनराशि भुगतान किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह धनराशि जनपद की विभिन्न तहसीलों के लेखपालों को डीईजीएस सोसाइटी मद से निर्धारित दर के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी। जिलाधिकारी के इस निर्णय से लेखपालों में उत्साह का माहौल है। लेखपाल संघ ने इसके लिए जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि शासन की योजनाओं एवं जनसेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में लेखपालों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके वैध देयों का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस निर्णय से लेखपालों को अपने दायित्वों के निर्वहन में और अधिक ऊर्जा एवं उत्साह प्राप्त होगा तथा आमजन को भी बेहतर सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

12 वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर अभाविप सोनभद्र नगर द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत के सोनभद्र जिले में सोनभद्र नगर के कार्यकर्ताओं के द्वारा बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर हनुमान मंदिर प्रांगण अकड़हवा पोखरा पर योग सूर्य नमस्कार और आसन किया गया और अपने जीवन में योग का कितना ज्यादा महत्व है ये भी बताया गया ।पौराणिक समय में भगवान शिव से उत्पत्ति हुई और निरंतर आज तक योग चला आ रहा है इसका भी उल्लेख किया गया । वैज्ञानिक की माने तो आज 21 जून का दिन पूरे साल का सबसे बड़ा दिन होता है जिसको हमें योग करके शुरू करना चाहिए ये भी बताया गया। इस दौरान खेलो भारत प्रांत सह सयोजक मृगांक दुबे,आशुतोष मोदनवाल, राज सिंह , व अन्य कार्यकर्ता रहें।

सोनभद्र के औद्योगिक विकास के लिए योगी सरकार कर रही युद्ध स्तर पर प्रयास

आदिवासी बाहुल्य जिले की तस्वीर बदलने के लिए 257 करोड़ रुपये से बिछाया जाएगा 86 किलोमीटर सड़कों का जाल,औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत कराया कराया जाएगा छह सड़कों का निर्माण, सड़क निर्माण के बाद उद्योगों को मिलेगी गति, आमजन को आवागमन में सहूलियत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आदिवासी बाहुल्य सोनभद्र जिले के पिछड़ापने की पहचान को खत्म कर विकसित व सुव्यवस्थित सोनभद्र बनाने के लिए योगी सरकार युद्ध स्तर पर प्रयास कर रही है। पिछड़ेपन को दूर करने के लिए सरकार ने यहां निवेश अनुकूल माहौल बनाया जिसके बाद बड़ी कंपनियों ने निवेश कर बदलाव की नींव तो रख दी है। जनपद में विकास कार्य भी तेजी से चल रहे हैं। इसी कड़ी में उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सरकार ने दूसरे जनपदों से जोड़ने वाली छह सड़कों के निर्माण को मंजूरी प्रदान कर दी है। इन सड़कों के निर्माण में लगभग 257 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि उद्योगों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए जिले में लगभग 86 किमी. की छह सड़कों का निर्माण लगभग 257 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। सड़क निर्माण के संबंध में जल्द ही सर्वे व टेंडर प्रक्रिया संपन्न कराने के साथ ही सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। बताया कि इन सड़कों के बन जाने से चार राज्यों की सीमा से घिरे सोनभद्र की दूसरे जनपदों से कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई का समय और लागत (लॉजिस्टिक्स कॉस्ट) कम हो जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सड़कों के निर्माण का लाभ उद्योगों के साथ-साथ आम-जनमानस को भी मिलेगा। अभी आवागमन में काफी समय लगता है लेकिन सड़क निर्माण के बाद मिनटों में यह सफर तय किया जा सकेगा साथ ही मार्ग में होने वली दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। इन सड़कों का कराया जाएगा निर्माण- जिलाधिकारी ने बताया कि छह सड़कों में सलैयाडीह से खरौंदी तक दो लेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा, 15.84 किमी की इस सड़क के निर्माण की अनुमानित लागत 61.65 करोड़ रुपये है। इसी तरह बखिरवा से स्वागत गेट बीजपुर तक 20.17 किमी. दो लेन सड़क के निर्माण में 49 करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। बताया कि ऑडी मोड़ अनपरा से शक्ति नगर तक 18.42 किमी की चार लेन सड़क के निर्माण में 55.72 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ऑडी मोड़ अनपरा से मध्य प्रदेश के मिर्चाधूरी रेलवे स्टेशन तक 12.15 किमी. डेढ़ लेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर 24.70 करोड़ रुपये व्यय होने का अनुमान है। जिलाधिकारी ने बताया कि नधिरा से बखिरवा तक 10 किमी. सड़क के निर्माण में 1.60 करोड़ रुपये व डिब्लूगंज से जोगेनदरा तक 10 किमी. सड़क निर्माण कराया जाएगा जिस पर लगभग 64.50 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

हरमनप्रीत 200 टी-20 खेलने वाली पहली क्रिकेटर

सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली भारतीय भी, साउथ अफ्रीका का वर्ल्डकप में हाईएस्ट रनचेज

मैनचेस्टर। साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में कौर का 200 टी-20 खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनीं।

की पहली और दुनिया की दूसरी प्लेयर बन गईं। इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 220 मैचों के साथ पहले स्थान पर हैं। 3. विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा सबसे बड़ा टोटल चेज-साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज है। यह उसका टूर्नामेंट में सबसे बड़ा रनचेज भी है। पहले स्थान पर इंग्लैंड है। टीम ने 2009 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 163 रन का टारगेट हासिल किया था। 4. श्री चरणी ने पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की-श्री चरणी ने भारत के लिए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप ओपनिंग बैटिंग और बॉलिंग करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई। इस मामले भारत की अमिता शर्मा पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 8 बार ऐसा किया है। यहां से टॉप-3 मोमेंट्सः-1. शबनीम इस्माइल के हाथ में चोट लगी-भारतीय पारी के 15वें ओवर में अफ्रीकी पेसर शबनीम इस्माइल चोटिल हो गईं। ओवर की आखिरी गेंद पर ऋचा घोष ने सीधे शॉट खेला। इस्माइल ने फॉलोथ्रू में गेंद रोकने की कोशिश की। इस दौरान उनका हाथ चोटिल हो गया। गेंद लगते ही उनकी उंगली से खून बहने लगा। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। 2. श्री चरणी ने डबल विकेट

भारत को 6 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने 159 रन का टारगेट हासिल किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा और साउथ अफ्रीका का सबसे बड़ा रनचेज रहा। रविवार को भारतीय कप्तान हरमप्रीत कौर का 200 टी-20 खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनीं। बतौर कप्तान यह उनका 200वां इंटरनेशनल मैच भी था। साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड बतौर कप्तान यह उनका 200वां इंटरनेशनल मैच भी था। ऐंं मैच के टॉप रिकॉर्ड्स-मोमेंट्सः-1. हरमन ने 200 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले-हरमनप्रीत ने 200वां टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। वह मेंस और विमेंस में ऐसा करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 184 मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मेंस में आयरलैंड के पॉल

कप में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने 159 रन का टारगेट हासिल किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा और साउथ अफ्रीका का सबसे बड़ा रनचेज रहा। रविवार को भारतीय कप्तान हरमप्रीत स्टर्लिंग (163 मैच) पहले और रोहित शर्मा (159 मैच) दूसरे स्थान पर हैं। 2. हरमन के बतौर कप्तान 200 मैच पूरे-हरमन ने बतौर कप्तान भी 200वां इंटरनेशनल मैच खेला। वे इस मुकाम पर पहुंचने वाली भारत के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की। चरणी ने अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट चटकाए। वे इस टूर्नामेंट में 10 विकेट हासिल कर चुकी हैं। पूनम ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2020 में इतने ही विकेट चटकाए थे। 5. भारत ने पावरप्ले में 59 रन बनाए-भारत ने इस मैच में पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 59 रन बनाए। यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इसी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ भारत ने बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे। 6. शेफाली वर्मा ने मैच में ओपनिंग बैटिंग-बॉलिंग की-शेफाली विमेंस टी-20 इंटरनेशनल के एक ही मैच में भारत के लिए मेडेन ओवर फेंका-चरणी ने छठे ओवर में बिना रन दिए 2 विकेट लिए। उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट (20) का कैच पकड़ा। फिर चौथी गेंद पर अनेरी डर्कसेन (0) को बोल्ड कर दिया। 3. कैप का 9 रन पर कैच छूटा-अफ्रीकी पारी के 10वें ओवर में मारिजान कैप आउट होने से बाल-बाल बची। प्रेमा रावत ने ओवर की दूसरी गेंद फुल डिलीवरी डाली। कैप ने स्वीप शॉट खेला। गेंद, बैट का टॉप-एज लेकर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ हवा में गई। वहां बाउंड्री पर खड़ी नंदनी ने अपने दाहिनी ओर दौड़ते हुए एक हाथ से कैच लपकने की कोशिश की। गेंद उनकी हाथ से लगकर बाउंड्री बाहर गिर गई। कैप को 6 रन मिल गए।

फीफा वर्ल्ड कप में केप वर्डे का उलटफेर, 2 बार के चैंपियन उरुग्वे को 2-2 पर रोका, 92 साल में मिस्र की पहली जीत

स्पोर्ट डेस्क। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सोमवार को ग्रुप जी और ग्रुप एच के मुकाबले खेले गए। ग्रुप जी में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के इतिहास में अपनी पहली जीत दर्ज की। मिस्र अपना पहला वर्ल्ड कप 1934 में खेला था। वहीं, बेल्जियम और ईरान के बीच मैच 0-0 की बराबरी रहा। ग्रुप एच के मैच में केप वर्डे ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। इन नतीजों के बाद दोनों ग्रुपों में नॉकआउट दौर में पहुंचने की जंग और रोमांचक हो गई है। केप वर्डे ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को बराबरी पर रोका-केप वर्डे ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे

को 2-2 की बराबरी पर रोककर बड़ा उलटफेर किया। मियामी में खेले गए मुकाबले में केप वर्डे ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इससे पहले वह स्पेन को भी 0-0 से ड्रॉ पर रोक चुका है। इस ड्रॉ के साथ ही ग्रुप एच में नॉकआउट की रेस बेहद दिलचस्प हो गई है। स्पेन 4 अंकों के साथ ग्रुप में टॉप पर है, जबकि उरुग्वे और केप वर्डे दोनों के 2-2 अंक हैं। केविन पिना ने 34 यार्ड की शानदार फ्री-किक पर गोल कर केप वर्डे को बढ़त दिलाई, लेकिन हाफ-टाइम से पहले मैक्सी अराउजो और ऑगस्टिन कैनोबियो के गोल से उरुग्वे 2-1 से आगे हो गया। दूसरे हाफ में उरुग्वे के डिफेंस की गलती का फायदा उठाकर वरेला ने बराबरी का गोल दाग दिया। इसके बाद उरुग्वे ने जीत के लिए जोर लगाया, लेकिन पिको लोप्स और सिडनी लोप्स कैबरल की अगुआई में केप वर्डे के डिफेंस ने मजबूती से मुकाबला बचाते हुए मैच 2-2 से ड्रॉ करा दिया। लॉस एंजिल्स में खेले गए मुकाबले में बेल्जियम और ईरान ने 0-0 से ड्रॉ खेला। दोनों टीमें टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में थीं, लेकिन मजबूत डिफेंस और गोलकीपिंग के कारण कोई भी गोल नहीं हो सका। इस ड्रॉ के बाद दोनों टीमों के दो मैचों में दो-दो अंक हो गए हैं। बेल्जियम के लिए स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू की करीब एक साल बाद शुरुआती एकादश में वापसी हुई।

बड़ी मेडिकल सर्जरी का फैसला कैसे लें,जानें दूसरा ओपिनियन लेना क्यों जरूरी, पहले अपने डॉक्टर से पूछें 10 सवाल

जयपुर। फर्ज करिए कि हॉस्पिटल में जांच के दौरान किसी को कैंसर डायग्नोस हुआ। उसने सर्जरी करवा ली। बाद में पता चला कि उसे कैंसर था ही नहीं। कुछ वक्त पहले ऐसी ही एक घटना का जिक्र हॉलीवुड एक्ट्रेस लूसी लुइस ने किया था। 22 साल की उम्र में उनके ब्रेस्ट में एक गांठ मिली, जिसे कैंसर समझकर सर्जरी कर दी गई। बाद में पता चला कि वह कैंसरस गांठ नहीं थी। यह सब गलत डायग्नोसिस के कारण हुआ था। उस घटना के बाद से लूसी लोगों को जागरूक करने लगीं कि किसी भी गंभीर बीमारी में- जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। सेकेंड ओपिनियन जरूर की तुलना कर अपने लिए सही ट्रीटमेंट चुन सकता है।सवाल- हर बड़े मेडिकल फैसले से पहले सेकेंड ओपिनियन लेना क्यों जरूरी है? जवाब- किसी भी बड़े मेडिकल डिसीजन से पहले सेकेंड ओपिनियन इसलिए जरूरी है, क्योंकि- बीमारी की सही पुष्टि हो जाती है। गलत डायग्नोसिस का जोखिम कम होता है। इलाज के दूसरे विकल्प पता चलते हैं। अनावश्यक सर्जरी या टेस्ट से बचाव होता है। इलाज के फायदे-नुकसान बेहतर समझ में आते हैं। डॉक्टर और इलाज चुनने में भरोसा बढ़ता है। बड़े खर्च से पहले सही फैसला लेने में मदद मिलती है। मरीज और परिवार का शहर) में डायग्नोसिस में देरी और गलत पहचान का जोखिम और ज्यादा होता है। सवाल- किन बीमारियों में मिसडायग्नोसिस का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ बीमारियों में लक्षण एक जैसे या अस्पष्ट होते हैं। इसलिए उनमें मिसडायग्नोसिस का रिस्क ज्यादा होता है- सवाल- किन मामलों में सेकेंड ओपिनियन जरूर लेनी चाहिए? जवाब- कुछ परिस्थितियों में सेकेंड ओपिनियन लेना बहुत जरूरी होता है, ताकि सही ट्रीटमेंट और डिसीजन लिया जा सके। जैसकि-किसी बड़े मेडिकल डिसीजन से पहले डॉक्टर से सही सवाल पूछना बहुत जरूरी होता है, ताकि आप समझदारी से निर्णय जा सकते हैं- अभी पेशेंट की स्थिति कितनी गंभीर है? अभी तुरंत क्या ट्रीटमेंट दिया जा रहा है? क्या कोई बड़ा रिस्क है? आगे क्या कदम उठाए जाएंगे? क्या किसी सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है? पेशेंट कब तक स्थिर हो सकता है? हमें अभी क्या करने की जरूरत है ? सेकेंड ओपिनियन से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाब- सवाल- सेकेंड ओपिनियन लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब-कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें-दूसरे डॉक्टर को पुरानी सभी रिपोर्ट्स और टेस्ट दिखाएं। पहले डॉक्टर की सलाह छुपाएं नहीं। उसी फील्ड के स्पेशलिस्ट से

लेनी चाहिए। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज समझेंगे कि किसी मेडिकल डिसीजन से पहले सेकेंड ओपिनियन कितनी जरूरी है। साथ ही जानेंगे कि- किन बीमारियों में गलत डायग्नोसिस का रिस्क ज्यादा होता है? किन मामलों में सेकेंड ओपिनियन जरूर लेनी चाहिए? किन बीमारियों में सेकेंड ओपिनियन लेने की जरूरत नहीं होती? समझेंगे विषय को एक्सपर्टः डॉ. रोहित शर्मा, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- सेकेंड ओपिनियन क्या है? जवाब- सेकेंड ओपिनियन का मतलब है, किसी बीमारी के इलाज से पहले डॉक्टर की राय लेने के बाद, दूसरे डॉक्टर से भी उसी मामले पर सलाह लेना। आमतौर पर सेकेंड ओपिनियन तब ली जाती है, जब-बीमारी गंभीर हो। ऑपरेशन या बहुट टफ ट्रीटमेंट की सलाह दी गई हो। पहली सलाह को लेकर मन में शक या असमंजस हो। इलाज के कई विकल्प मौजूद हों। किसी भी बड़े मेडिकल डिसीजन से पहले सेकेंड ओपिनियन लेना जरूरी है। इससे गलत डायग्नोसिस और गैरजरूरी ट्रीटमेंट का रिस्क कम हो जाता है। मरीज इलाज के सभी विकल्पों आत्मविश्वास बढ़ता है। सवाल-सेकेंड ओपिनियन न लेने से किस तरह के संभावित रिस्क हो सकते हैं?जवाब- इसके कारण कई रिस्क हो सकते हैं। सवाल-दुनिया और भारत में मिसडायग्नोसिस कितना कॉमन है? जवाब- देश और दुनिया, दोनों के संदर्भ में यह काफी कॉमन है। जैसेकि-दुनिया में अलग-अलग स्टडीज के अनुसार लगभग 10-15फीसदी मेडिकल केसेज में मिसडायग्नोसिस होता है। आउटपेशेंट (ओपीडी) सेटिंग में यह लगभग 5-15फीसदी मामलों में देखा गया है। कुछ रिसर्च बताती हैं कि डॉक्टर पहली बार में करीब 80फीसदी मामलों में ही सही डायग्नोसिस कर पाते हैं। इमरजेंसी/हॉस्पिटल सेटिंग में भी करीब 10-15फीसदी तक डायग्नोस्टिक एरर हो सकता है। भारत में भारत में सटीक नेशनल डेटा सीमित है, लेकिन अलग-अलग बीमारियों पर स्टडीज दिखाती हैं कि मिसडायग्नोसिस या डिले (देरी) काफी आम है, खासकर जटिल या टीबी जैसी बीमारियों में। कुछ क्लिनिकल स्टडीज (जैसे इन्फेक्शन/सीवियर केस) में लगभग 10-12फीसदी पेशेंट्स में गलत शुरुआती डायग्नोसिस पाया गया। रिसोर्स-लिमिटेड एरिया (ग्रामीण/छोटे ले सकें। 1-मेरी बीमारी क्या है, यह कितनी गंभीर है? 2-इलाज के कौन-कौन से विकल्प हैं? 3-इलाज के फायदे और जोखिम क्या हैं? 4-अगर इलाज न कराऊं तो क्या होगा? 5-इलाज सफल होने की संभावना कितनी है? 6-इलाज में कितना समय और खर्च लगेगा? 7-जीवनशैली में क्या बदलाव करना पड़ेगा? 8-इलाज के बाद कैसी केयर जरूरी होगी? 9-क्या सेकेंड ओपिनियन लेनी चाहिए? 10-इमरजेंसी में क्या करना चाहिए? सवाल- किन स्थितियों में सेकेंड ओपिनियन की जरूरत नहीं है? जवाब- कुछ स्थितियां ऐसी होती हैं, जहां सेकेंड ओपिनियन की जरूरत नहीं पड़ती। जैसेकि- अगर छोटी या सामान्य बीमारी हो, जैसे सर्दी-खांसी, हल्का बुखार। अगर डॉक्टर की सलाह साफ और आसानी से समझ में आ रही हो। अगर इलाज सरल और लो रिस्क वाला हो। अगर इलाज से जल्दी सुधार हो रहा हो। अगर भरोसेमंद और अनुभवी डॉक्टर का इलाज चल रहा हो। अगर इमरजेंसी कंडीशन हो, जहां तुरंत इलाज जरूरी हो। सवाल-इमरजेंसी में भी क्या बेसिक सवाल पूछे जा सकते हैं? जवाब-हां, इमरजेंसी में भी कुछ बेसिक और जरूरी सवाल संक्षेप में पूछे सलाह लें। जल्दबाजी में फैसला न लें, दोनों राय को समझें। जरूरत हो तो तीसरी राय भी ले सकते हैं। सवाल- क्या सेकेंड ओपिनियन लेने से इलाज में देरी हो सकती है? जवाब- कई बार लोगों को लगता है कि सेकेंड ओपिनियन लेने में समय बर्बाद होगा, लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता। सही समय पर ली गई सेकेंड ओपिनियन गलत इलाज से बचा सकती है। इससे लंबी अवधि में समय, पैसा और सेहत तीनों को फायदा होता है। हां, इमरजेंसी में देरी नहीं करनी चाहिए। सवाल- क्या सेकेंड ओपिनियन लेना डॉक्टर पर अविश्वास दिखाता है? जवाब-नहीं, सेकेंड ओपिनियन लेना बिल्कुल सामान्य और प्रोफेशनल प्रक्रिया है। अच्छे डॉक्टर भी इसे सपोर्ट करते हैं। यह मरीज के अधिकार का हिस्सा है। इससे बेहतर और कॉन्फिडेंट निर्णय लेने में मदद मिलती है। सवाल- क्या ऑनलाइन सेकेंड ओपिनियन लेना सुरक्षित है? जवाब- सेकेंड ओपिनियन ऑनलाइन भी ली जा सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि-केवल विश्वसनीय अस्पताल या प्लेटफॉर्म से ही लें। अपनी सही और पूरी मेडिकल हिस्ट्री शेयर करें। गंभीर मामलों में फिजिकल जांच भी जरूरी हो सकती है।

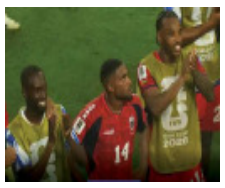

पैर में मोच आए तो क्या करें-फॉलो करें राइस थेरेपी, ये 7 संकेत दिखें तो डॉक्टर के पास जाएं- ये 5 गलतियां न करें

नयी दिल्ली। कभी चलते समय पैर गलत तरीके से मुड़ जाता है। कभी सीढ़ियां उतरते हुए संतुलन बिगड़ जाता है। कभी सड़क पर पैर गड्ढे में पड़ जाता है और पैर में मोच (स्प्रेन) आ जाती है। कई बार लोग मोच को मामूली चोट समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह लिगामेंट को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। अगर समय पर फर्स्ट एड न मिले तो दर्द और सूजन बढ़ सकती है और ठीक होने में लंबा समय लग सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में मोच को विस्तार से समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- मोच आने पर तुरंत क्या करना चाहिए? कौन-सी सावधानियां बरतनी चाहिए? कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. आशीष दीवान, सीनियर कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल-मोच (स्प्रेन) क्या होती है? जवाब-मोच का मतलब- 'लिगामेंट्स में चोट लगना' है। आसान शब्दों में इसे ऐसे समझिए- लिगामेंट शरीर में हड्डियों को आपस में जोड़ने का काम करते हैं। ये लिगामेंट शरीर के जॉइंट्स को सपोर्ट करते और स्थिरता प्रदान करते हैं। एक शरीर में 900 से ज्यादा लिगामेंट्स होते हैं। मोच उस चोट को कहते हैं, जिसमें लिगामेंट या तो खिंच जाते हैं या डैमेज हो जाते हैं। आमतौर पर पैर अचानक मुड़ने, फिसलने या गिरने पर लिगामेंट डैमेज होते हैं। लिगामेंट डैमेज होने पर दर्द, सूजन और जोड़ को हिलाने में परेशानी हो सकती है। टखने की मोच सबसे कॉमन मोच मानी जाती है। सवाल- मोच और फ्रैक्चर में क्या फर्क है? जवाब- मोच आने पर लिगामेंट डैमेज होते हैं, जबकि फ्रैक्चर में हड्डी टूटती है। दोनों में दर्द और सूजन हो सकती है, लेकिन फ्रैक्चर ज्यादा गंभीर होता है। सवाल- पैर में मोच सबसे ज्यादा किस हिस्से में आती है? जवाब-सबसे ज्यादा टखने (एंकल) में मोच आती है। यह आमतौर पर चलते-दौड़ते, सीढ़ियां उतरते या खेलते समय पैर अचानक मुड़ने से होता है। टखने के बाहरी हिस्से के लिगामेंट्स सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसलिए एंकल स्प्रेन सबसे कॉमन मोच मानी जाती है। सवाल-टखने की मोच ज्यादा कॉमन क्यों होती है? जवाब- टखना पूरे शरीर का वजन संभालता है। चलने-दौड़ने, कूदने व सीढ़ियां चढ़ने-उतरने जैसी एक्टिविटीज में इस पर ज्यादा दबाव पड़ता है। ऐसे में पैर का अचानक मुड़ जाना या संतुलन बिगड़ना टखने के लिगामेंट्स पर ज्यादा दबाव डालता है। इससे यहां मोच का रिस्क बढ़ जाता है।सवाल-क्या हल्की मोच भी गंभीर हो सकती है? जवाब- हां, अगर हल्की मोच को नजरअंदाज किया जाए या पर्याप्त आराम और इलाज न मिले तो यह गंभीर हो सकती है। बार-बार मोच आने से- लिगामेंट्स कमजोर हो सकते हैं। जॉइंट्स डैमेज हो सकते हैं। लंबे समय तक दर्द की शिकायत रह सकती है। सवाल- मोच आने के तुरंत बाद क्या करें? जवाब- मोच आने के तुरंत बाद ये करें- 1. आराम दें जिस हिस्से में मोच आई है, उस पर वजन डालने या उसे ज्यादा हिलाने-डुलाने से बचें। 2. बर्फ लगाएं-15-20 मिनट तक बर्फ की सिकाई करें। इस प्रोसेस को हर 2-3 घंटे में दोहराएं। बर्फ को सीधे स्किन पर न लगाएं- 3. दबाव दें-इलास्टिक बैंडेज को हल्का दबाव देकर बांधें। इससे सूजन कम करने में मदद मिलती है। 4. ऊंचाई पर रखें- मोच वाले अंग को हार्ट लेवल से ऊपर रखें, ताकि सूजन कम हो। 5. दर्द होने पर आराम करें-दर्द को नजरअंदाज करके चलना-फिरना जारी न रखें। 6. पहले 48 घंटे गर्म सिकाई न करें-गर्म पानी, हीट पैड या मालिश से शुरुआती सूजन बढ़ सकती है। सवाल-राइस थेरेपी क्या है, जिसे डॉक्टर मोच आने पर रेकमंड करते हैं? जवाब- राइस थेरेपी का मतलब है-रेस्ट, आइस, कंप्रेशन और एलिवेशन। आसान शब्दों में कहें तो आराम करना, बर्फ लगाना, दबाव डालना और चोट को ऊंचा उठाकर रखना। सवाल- मोच आने पर क्या नहीं करना चाहिए? जवाब-मोच आने के बाद शुरुआती 24-48 घंटे बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान सही देखभाल करने से दर्द और सूजन कम हो सकती है, जबकि कुछ गलतियां चोट को बढ़ा सकती हैं। - मोच की गंभीरता इस बात पर निर्भर करती है कि लिगामेंट्स को कितना नुकसान पहुंचा है। हल्की मोच में दर्द और सूजन कम होती है, जबकि गंभीर मोच में लिगामेंट्स ज्यादा डैमेज हो सकते हैं और चलना-फिरना मुश्किल हो सकता है।सवाल- क्या मोच आने पर तुरंत चलना बंद कर देना चाहिए? जवाब- हां, मोच आने पर प्रभावित पैर पर वजन डालने और ज्यादा चलने-फिरने से बचना चाहिए। इससे लिगामेंट्स को

ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। दर्द और सूजन बढ़ सकती है। इसलिए शुरुआती कुछ समय तक पैर को आराम देना जरूरी है। सवाल- क्या पैर को हिलाना ठीक है? जवाब- मोच के तुरंत बाद पैर को ज्यादा हिलाने-डुलाने से बचना चाहिए। हालांकि दर्द और सूजन कम होने के बाद डॉक्टर की सलाह से हल्का मूवमेंट फायदेमंद हो सकता है। इससे जोड़ों की अकड़न कम होती है और रिकवरी बेहतर होती है। सवाल- क्या पैर को ऊपर उठाकर रखने से फायदा होता है? जवाब- हां, लेटते समय पैर को सीने से ऊपर रखने से चोट वाली जगह पर ब्लड और फ्लूइड का जमाव कम होता है। इससे सूजन, दर्द कम करने और बेहतर रिकवरी में मदद मिलती है। यही वजह है कि राइस थेरेपी में एलिवेशन को महत्वपूर्ण माना जाता है। मोच को मामूली चोट समझकर नजरअंदाज न करें। शुरुआती 24-48 घंटे में बर्फ से सिकाई करें, बेडरेस्ट करें। इससे सूजन व दर्द में राहत मिलेगी। अगर दर्द इतना हो कि पैर जमीन पर न रख पाएं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।सवाल- मोच में बर्फ कितनी देर तक लगानी चाहिए? जवाब- मोच आने के बाद चोट वाली जगह पर 15-20 मिनट तक बर्फ की सिकाई करनी चाहिए। जरूरत पर इसे हर 2-3 घंटे के गैप पर कर सकते हैं। शुरुआती 24 से 48 घंटे महत्वपूर्ण होते हैं। इस बीच लगातार बर्फ की सिकाई करनी चाहिए। इससे दर्द और सूजन कम करने में मदद मिलती है। सवाल-बर्फ सीधे स्किन पर लगानी चाहिए या कपड़े में बांधकर?जवाब- बर्फ कभी भी सीधे स्किन पर न लगाएं। उसे हमेशा कपड़े या तौलिये में लपेटकर लगाएं। सीधे लगाने से स्किन को नुकसान हो सकता है। ठंड से जलन या फ्रॉस्टबाइट (ठंड से स्किन के नीचे के टिश्यू का जमना) जैसी समस्या हो सकती है। सवाल- क्या मोच वाली जगह पर मसाज करनी चाहिए?जवाब-नहीं, शुरुआती 24-48 घंटों में मसाज करने से दर्द और सूजन बढ़ सकती है। दर्द और सूजन कम होने के बाद डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह पर मसाज कर सकते हैं। सवाल- मोच का दर्द कम करने के लिए क्या करें? जवाब- मोच के दर्द को कम करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें।बर्फ से सिकाई करें। पैर पर ज्यादा वजन न डालें। लंबे समय तक खड़े न रहें। आरामदायक फुटवेयर पहनें। शरीर को हाइड्रेटेड रखें। पेनकिलर ले सकते हैं।दर्द/सूजन बढ़े तो तुरंत जांच कराएं। सवाल- कौन सी ओटीसी दवाएं ली जा सकती हैं? जवाब- हल्के और मीडियम दर्द में ओवर-द-काउंटर पेनकिलर मेडिसिन ली जा सकती है। कुछ मामलों में एंटी-इन्फ्लेमेटरी दवाएं भी दी जाती हैं, लेकिन इन्हें डॉक्टर की सलाह बिना न लें। सवाल-मोच की सूजन कितने दिनों तक रह सकती है? जवाब- हल्की मोच में सूजन 3-7 दिनों तक रह सकती है। मीडियम या गंभीर मोच में सूजन पूरी तरह ठीक होने में कई हफ्ते लग सकते हैं।सवाल- क्या मोच का नीला या काला पड़ना सामान्य है? जवाब- हां, मोच के बाद चोट वाली जगह का नीला या काला पड़ना सामान्य है। यह स्किन के नीचे छोटी ब्लड वेसल्स के डैमेज होने के कारण होता है। ये आमतौर पर कुछ दिनों में धीरे-धीरे ठीक हो जाता है। सवाल-क्या पुरानी मोच दोबारा परेशान कर सकती है? जवाब- हां, अगर मोच पूरी तरह ठीक होने से पहले सामान्य एक्टिविटीज शुरू कर दी जाएं तो दोबारा परेशानी हो सकती है। इससे टखने में कमजोरी, अस्थिरता और बार-बार मोच आने का रिस्क बढ़ जाता है।

'फ्यूलिंग स्टेशनों' को बचाने से इंसानों का भोजन भी बचेगा

हममें से ज्यादातर लोग एक बार में 5 किमी से ज्यादा नहीं चल सकते। फिर भी, हम 42 किमी मैराथन दौड़ने वालों को

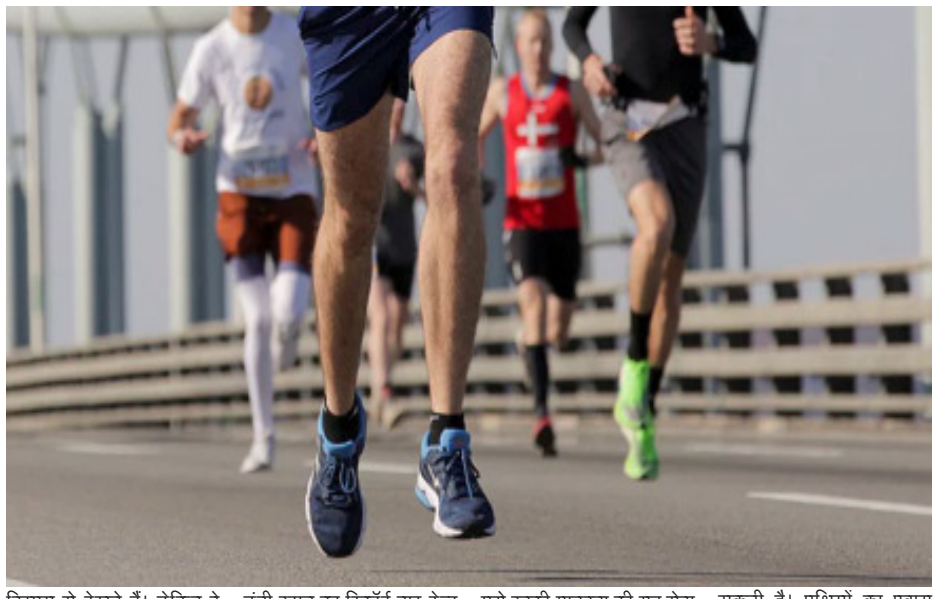

विस्मय से देखते हैं। लेकिन वे भी हर 5 किलोमीटर पर बने फ्यूलिंग स्टेशन के बगैर नहीं दौड़ सकते, जबकि उन्हें वहां ठहरने के लिए कोई नियम बाध्य नहीं करता। आयोजक ये स्टेशन इसलिए बनाते हैं, क्योंकि रनर्स के शरीर से पसीने के जरिए बहुत पानी और सोडियम निकल जाता है। उन्हें हर घंटे 60-90 ग्राम कार्बोहाइड्रेट (जेल, स्पोर्ट्स ड्रिंक या फलों) चाहिए, ताकि उनकी ऊर्जा पूरी तरह खत्म न हो। फ्लुइड स्टेशन कार्डियोवैस्कुलर स्ट्रेन और ओवरहीटिंग से बचाते हैं, जबकि इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक शरीर में पानी बनाए रखने और गंभीर क्रैंम्पिंग को रोकने में मदद करते हैं। अब क्या कोई हर साल 30 हजार किमी से ज्यादा यात्रा की कल्पना कर सकता है? आर्कटिक टर्न ऐसा करते हैं। तकनीकी रूप से वे चलते नहीं, उड़ते हैं। वे 'चैंपियन ऑफ माइग्रेशन' के नाम से विख्यात हैं। इन पक्षियों का वजन 100 ग्राम से थोड़ा ज्यादा होता है, फिर भी वे हर साल उत्तरी से दक्षिणी ध्रुव तक माइग्रेट करते हैं। आर्कटिक टर्न सालाना 90 हजार किमी की राउंड ट्रिप करते हैं। हालांकि वे मछली पकड़ने और आराम के लिए ठहरते भी हैं। बिना रुके सबसे लंबी उड़ान का रिकॉर्ड बार-टेल्ड गॉडविट पक्षी (लिमोसा लैपॉनिका) के नाम है, जिसने अक्टूबर 2022 में अलास्का से तस्मानिया तक 13560 किमी की दूरी 11 दिनों में बिना जमीन पर उतरे तय की थी। वे ऐसा कैसे करते हैं? प्रवासी पक्षी इंसानों की तरह नहीं थकते, क्योंकि उन्होंने असाधारण फ्यूल सिस्टम विकसित किया है। उड़ान से पहले उनका वजन 50-100ह तक बढ़ जाता है। वे कार्बोहाइड्रेट की जगह फैट बर्न करते हैं, जो प्रति ग्राम दोगुनी से ज्यादा ऊर्जा देता है। वजन कम रखने के लिए गैर-जरूरी अंगों को छोटा कर लेते हैं और आसानी से उड़ने के लिए ऊपर उठती गर्म हवाओं की धाराओं का सहारा लेते हैं। फिर भी उन्हें फ्यूलिंग स्टेशन की जरूरत पड़ती है, जिन्हें प्रकृति ने भरपूर उपलब्ध कराया है। जब वे री-फ्यूलिंग के लिए रुकते हैं तो मानव प्रजाति की बेहतरी के लिए बड़ा काम करते हैं। वे खेती की रक्षा करने वाले एजेंट के जैसे काम करते हैं और रोज लाखों कीड़े खाकर रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल घटाते हैं। फसल खाने वाले बीटल्स और इल्लियों को खाकर वे किसानों को लाखों रुपए के संभावित नुकसान से बचाते हैं। मुझे उनकी मानवता की यह सेवा तब याद आई जब मैंने पढ़ा कि गुजरात वन विभाग अहमदाबाद से सुरेन्द्रनगर जिले तक फैली नलसरोवर बर्ड सेंचुरी में हाई-पावर सोलर फ्लडलाइटें लगा रहा है। शिकार पर रोक के इरादे से उठाए गए इस कदम ने संरक्षणवादियों और पक्षी विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। उन्हें डर है कि कृत्रिम रोशनी पक्षियों का व्यवहार प्रभावित करेगी और प्रवासी प्रजातियां वहां से दूर हो जाएंगी। विशेषज्ञों का दावा है कि इससे उनका फीडिंग पैटर्न बिगड़ेगा, तनाव बढ़ेगा, दिशा पहचानने में समस्या होगी और उनके आवासों की गुणवत्ता घटेगी। संरक्षणवादियों का कहना है, वन अधिकारियों को लगता है कि 'रोशनी से अवैध गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी, लेकिन पानी पर रोशनी की चमक पक्षियों को परेशान करेगी। कई प्रजातियां सेंचुरी से जा सकती हैं और कभी वापस नहीं आएंगी। वेटलैंड में रोशनी करने के बजाय अधिकारियों को स्टाफ और रात की गश्त बढ़ानी चाहिए।' शिकारियों से बचने के लिए सॉन्गबर्ड पक्षी भी रात के वक्त झुंडों में प्रवास करते हैं तो ये रोशनी उन्हें भी भ्रमित कर सकती है। पक्षियों का प्रवास महज बायोलॉजिकल वंडर नहीं, बल्कि इको-सिस्टम नवीनीकरण के वैश्विक चक्र का महत्वपूर्ण अंग भी है। इसके बिना वैश्विक जैव विविधता नष्ट हो जाएगी। बाघ जैसी धारियों वाले सॉन्गबर्ड की सोचिए, जिसका वजन 13 ग्राम से ज्यादा नहीं होता, लेकिन 8000 किमी की यात्रा करता है। बदले में उसे ऐसी चीज खाने का मौका मिलता है, जिन्हें उत्साही प्रकृति प्रेमी भी नापसंद करते हैं- कीड़े, जो अन्यथा हमारी फसल चट कर जाएंगे। दुनिया भर में पक्षी संकट में हैं। अमेजन बेसिन से आर्कटिक टुंड्रा तक कीड़ों की संख्या भी घट रही है। इससे इन पक्षियों के लिए बहुत कम जगहें बची हैं, जहां उन्हें आराम, भोजन और घोंसला बनाने का स्थान मिलता है। फंडा यह है कि अगर हम बढ़ती इंसानी आबादी के लिए खाद्य आपूर्ति सुरक्षित रखना चाहते हैं तो हमें प्रवासी पक्षियों के लिए अधिक फ्यूलिंग स्टेशन (यानी जंगल और वेटलैंड) बचाने और बनाने होंगे, ताकि वे कीड़ों को खा सकें और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र (भोजन) को सुरक्षित रख सकें। एन. रघुरामन

पिता कब आपके अच्छे दोस्त बन जाते हैं?

बचपन में, मैं कभी उनके बैठने से पहले नहीं बैठता था। इसलिए उस दिन जब वे मेरे बाद बैठे, तो यह कुछ अजीब-सा लगा। लेकिन कोई विकल्प नहीं था। मुझे अपनी पहली कार- एक सेकंड-हैंड फिएट पार्किंग से निकालकर उनके पास लानी थी। उन्होंने अपना हाथ कार की छत पर ऐसे रखा, जैसे उसे आशीर्वाद दे रहे हों। मेरी बहन ने आगे की सीट का दरवाजा खोला, उन्हें मेरे बगल वाली सीट पर बैठाया और मैंने उनका हाथ थामने के लिए हाथ बढ़ाया। यह एक बेहद अलग अनुभव था। मेरे पूरे बचपन में उन्होंने मेरा हाथ थामा था। मेरी छोटी उंगलियां उनकी चौड़ी हथेली को कसकर पकड़े रहती थीं। लेकिन उस दिन उनकी उंगलियां मुझसे मजबूत पकड़ चाह रही थीं। हम दो अलग-अलग दुनियाओं में जन्मे थे। वे आजादी से पहले के भारत से थे, 1927 में जन्मे थे, जबकि मैं आजादी के बाद की पीढ़ी का था। फिर भी उस दोपहर हम दोनों बराबरी से, एक-दूसरे के बगल में बैठे थे। मुंबई के उपनगरों से गुजरते हुए, हम दोनों की वह रोमांचक खुशी याद आ गई, जब मैं उनकी साइकिल के आगे लगे डंडे पर बैठा करता था। उस समय राहगीरों, पेड़ों और

दुकानों को हमारे पीछे छूटते देखना किसी जादू से कम नहीं था। अब मुझे वही खुशी उनकी आंखों में दिखाई दे रही थी। जब

खिड़की और विंडशील्ड के बाहर कस्बाई-जीवन को देख रहे थे। कभी-कभी वे अपना सिर मेरी ओर मोड़ते और इंतजार करते कि मेरी नजरें उनसे मिलें। जब ट्रैफिक धीमा होने के दौरान आखिरकार हमारी आंखें मिलीं, तो मुझे अचानक अपने बचपन की वह बात ही अंतिम हुआ करती थी। लेकिन उस दिन वे न केवल बातचीत करना चाहते थे, बल्कि इसके लिए मेरी अनुमति भी मांग रहे थे। क्यों नहीं?- मैंने जवाब दिया। यह पूछने के बाद कि मैंने बिना कर्ज के कार कैसे खरीदी, उन्होंने धीरे से कहा, क्या तुम्हें हम मेरे घर पहुंचे, तो मैंने इंजन बंद कर दिया। जैसे ही मैं उनका दरवाजा अंदर से खोलने के लिए आगे बढ़ा, उन्होंने मेरा हाथ पकड़ लिया। क्या हम थोड़ी देर यहीं बैठकर बात कर सकते हैं?- उन्होंने पूछा। मैं हैरान रह गया, क्योंकि हमारे घर में उनकी कही किसी आर्थिक मदद की जरूरत है? जब मैंने कहा कि नहीं, तो उन्होंने मेरी आंखों में गहराई से देखा और धीमी आवाज में कहा, मुझे माफ करना, मैं तुम्हारे लिए सेकंड-हैंड साइकिल से ज्यादा कुछ नहीं खरीद सका। उनकी आंखें भर आईं और मेरी आंखों से आंसू बह निकले। हम कार में पंद्रह मिनट तक बैठे रहे। उन्होंने अपनी रेलवे की साधारण नौकरी और कभी कर्ज न लेने के अपने दृढ़ सिद्धांत के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बात पर कितना गर्व महसूस होता था कि वे सिर ऊंचा करके सड़कों पर चलते थे, क्योंकि वे हमेशा अपनी आय के भीतर जीवन जीते थे।

अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने शायद ही कभी कोई छुट्टी ली थी, ताकि सेवानिवृत्ति के समय छुट्टियों को एनकैश करा सकें और मुझ पर आर्थिक बोझ कम पड़े। उस दिन मुझे समझ आया कि मां-पिता और बच्चे का रिश्ता स्थिर नहीं होता; वह लगातार बदलता रहता है और अकसर बेहद खूबसूरत होता है। स्वयं एक बेटी का पिता होने के नाते, मैं उनकी यात्रा को समझ सका। मुझे एहसास हुआ कि हमारे मतभेदों और उनकी अजब आदतों के बावजूद, उन्होंने अपनी ओर से पूरी कोशिश की थी। चालीस की उम्र के बाद मैंने यह समझना शुरू किया कि कैसे हमारे पैरेंट्स का अपना बचपन उनके व्यक्तित्व को गढ़ता है। पैरेंटिंग बहुत मुश्किल है; कोई भी इसे पूरी तरह नहीं समझ पाता।अधिकांश पिता अपनी कमजोरियों और संघर्षों को अपने बच्चों के साथ दोस्त की तरह तभी साझा करते हैं, जब वे अपने बच्चों को- परिवार के मूल्यों को अक्षुण्ण रखते हुए सफल होते देखते हैं।मैं और मेरे पिता तमाम विषयों पर बातें करते थे- विवाह, स्वास्थ्य, पैसा, भू-राजनीति और असुरक्षाएं। हमारे बीच जो एक चीज समान थी, वह थी समर्पण। वे हमेशा अपने परिवार और अपने काम के प्रति समर्पित रहे।वे एक स्थिर, मेहनती, मजबूत और प्रतिबद्ध चट्टान की तरह बने रहे। और उन्होंने मुझमें भी वही देखा। फंडा यह है कि पिता बेटे के लिए सबसे अच्छे दोस्त होते हैं। वे तब सच्चे मित्र बनते हैं, जब वे अपने बेटे को परिवार की विरासत सौंपने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास महसूस करने लगते हैं। एन. रघुरामन

कामयाबी का फॉर्मूला नहीं, हुनर को क्राफ्ट में बदलें:प्रतिभा, अनुशासन और आत्म सम्मान... ये तीन चीजें आपकी क्षमता को सफलता में बदलती हैं

कामयाबी का कोई एक फॉर्मूला नहीं होता। अगर ऐसा कोई फॉर्मूला होता, तो शायद दुनिया में नाकामयाबी नाम की चीज ही नहीं होती। फिर भी

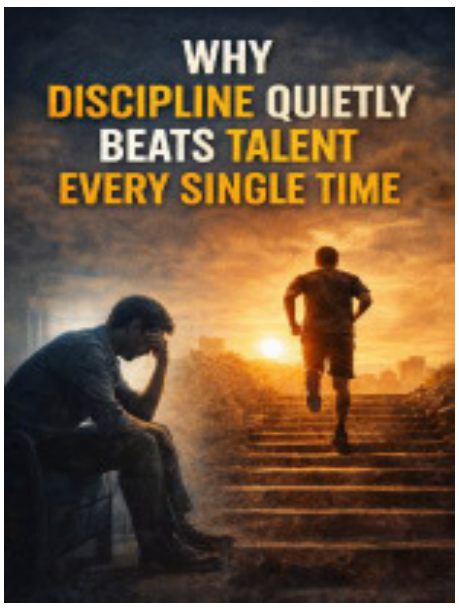

कुछ बातें हैं, जो लगभग हर कामयाब इंसान की जिंदगी में किसी-न-किसी रूप में दिखाई देती हैं। मेरे अनुभव में कामयाबी के लिए तीन चीजें बेहद महत्वपूर्ण हैं- प्रतिभा, अनुशासन और आत्म-सम्मान। इन तीनों में से किसी एक की भी कमी इंसान को उसकी पूरी क्षमता तक पहुंचने से रोक सकती है। सबसे पहले प्रतिभा की बात करते हैं। टैलेंट एक ऐसी पूंजी है, जो हमें जन्म के साथ मिलती है। कोई शब्दों का जादूगर बनकर पैदा होता है, कोई म्यूजिक की समझ लेकर, कोई मैथ्स को लेकर कुदरती हुनर के साथ और कोई लोगों के मन को पढ़ लेने की अद्भुत क्षमता के साथ। लेकिन टैलेंट अपने-आप में कामयाबी की गारंटी नहीं है। टैलेंट शुरुआती फायदा देता है, लेकिन आगे वही टिकता है जो अपने हुनर को क्राफ्ट में बदल देता है। दुनिया ऐसे लोगों से भरी पड़ी है, जिनमें बेमिसाल टैलेंट था, लेकिन उनकी उपलब्धियां उनकी काबिलियत से बहुत छोटी रहीं। बीज चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर उसे सही मिट्टी, पानी और देखभाल न मिले तो वह पेड़ नहीं बन सकता। इसी तरह टैलेंट को उपलब्धि में बदलने के लिए कड़ी मेहनत, सब्र और सेल्फ-डिसिप्लिन की जरूरत होती है। लेकिन यहां मुझे अपने बारे में एक सच्चाई स्वीकार करनी होगी। जब लोग कामयाबी और अनुशासन की बात करते हैं, तो वे अक्सर मान लेते हैं कि कामयाब इंसान हर दिन एक तयशुदा समय पर उठता होगा, हर काम वक्त पर करता होगा और कभी टाल-मटोल नहीं करता होगा। लेकिन मेरे मामले में यह तस्वीर पूरी तरह सही नहीं है। मैं उन लोगों में से हूं, जो अकसर काम को आखिरी वक्त तक टालते रहते हैं। मान लीजिए किसी ने कहा कि कोई गाना पांच तारीख तक देना है। मेरे भीतर से तुरंत एक आवाज आती है- अरे, अभी तो दो तारीख हैं। अभी बहुत वक्त है। फिर दो तारीख तीन में बदल जाती है, तीन चार में, और देखते-देखते पांच तारीख सामने खड़ी हो जाती है। तब अचानक एक अजीब-सा बदलाव होता है। जो काम कई दिनों से शुरू नहीं हो पा रहा था, वही कुछ घंटों में आगे बढ़ने लगता है। दिमाग तेजी से काम करने लगता है। विचार आने लगते हैं। शब्द मिलने लगते हैं। जैसे भीतर कहीं कोई मशीन थी, जो अब तक बंद पड़ी थी और अचानक पूरी रफ्तार से चलने लगी हो। कई बार मुझे लगता है कि मेरी प्रेरणा का स्रोत उत्साह और जोश से ज्यादा डर है, घबराहट है। मैं मूड बनने का इंतजार कम करता हूं, डेडलाइन के दबाव का इंतजार ज्यादा करता हूं। यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन

बहुत-से रचनात्मक लोगों के साथ ऐसा होता है। दरअसल डेडलाइन की अपनी एक साइकोलॉजी होती है। जब समय बहुत होता है तो हमारा मन यह मानकर चलता है कि काम कभी भी किया जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे वक्त करीब आने लगता है, हमारे भीतर एक बेचैनी पैदा होती है। यही बेचैनी एनर्जी में बदल जाती है। यही एनर्जी हमें काम की ओर धकेलती है। मैं इसे डेडलाइन का आतंक कहता हूं। यह आतंक नुकसानदेह नहीं होता। यह वह डर नहीं है जो हमें जकड़ दे। यह वह डर है जो हमें जगाता है। यह हमें याद दिलाता है कि अब टालने की गुंजाइश नहीं बची। अब करना ही होगा। मुझे याद है, 'तुमको देखा तो ये खयाल आया' जैसे गीत को मैं कई दिनों तक टालता रहा। गीत लिखना था, लेकिन मैं उसे कल पर छोड़ता जा रहा था। फिर वह वक्त आ गया, जब डेडलाइन बिल्कुल सिर पर खड़ी थी। तब मैंने बैठकर उसे लिखना शुरू किया और हैरत की बात यह है कि पूरा गीत महज नौ मिनट में लिख गया। इससे मुझे एक बार फिर एहसास हुआ कि कई बार हम प्रेरणा का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली जरूरत काम पर बैठ जाने की होती है। जब आप काम शुरू कर देते हैं, तो शब्द अकसर खुद अपना रास्ता बना लेते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उम्र बढ़ने के साथ यह आदत सुधरने के बजाय कई बार और मजबूत हो जाती है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह काम करने का बेहतर तरीका है। शायद यह मेरी कमजोरी है। लेकिन सच यह भी है कि इसी कामकाजी तौर-तरीके ने मुझे कई बार मेरी सीमाओं से आगे जाकर काम करने की क्षमता दी है। इसलिए मैं इसे अपनी कमजोरी और ताकत- दोनों मानता हूं। लेकिन कामयाबी की कहानी केवल टैलेंट और अनुशासन पर समाप्त नहीं होती। एक तीसरी चीज है, जिसके बिना कामयाबी का अर्थ अधूरा रह जाता है। वह है आत्म-सम्मान, खुद्दारी। इसे लोग अकसर अहंकार और घमंड समझ लेते हैं, जबकि दोनों में बहुत फर्क है। अहंकार आपको दूसरों से बड़ा साबित करना चाहता है, जबकि आत्म-सम्मान आपको अपने भीतर की गरिमा का एहसास कराता है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप खुद को सबसे बड़ा, सबसे बेहतर समझें। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि आप अपनी वैल्यू पहचानें और अपनी गरिमा तथा सिद्धांतों से समझौता न करें। जिंदगी में बार-बार ऐसे हालात बनते हैं, जब इंसान को आराम और इज्जत में से किसी एक को चुनना पड़ता है। एक रास्ता आसान होता है। उसके लिए थोड़ा समझौता करना पड़ता है, थोड़ा सिर झुकाना पड़ता है और अपने कुछ उसूलों को किनारे रखना पड़ता है। बदले में फायदा मिलता है, मौके मिलते हैं और तरक्की का रास्ता खुलता हुआ नजर आता है, कभी-कभी कामयाबी भी मिल जाती है। लेकिन सवाल यह है कि उस कामयाबी की कीमत क्या है? हर किसी को अपने जीवन में एक अदृश्य लक्ष्मण-रेखा निर्धारित करनी पड़ती है। वही तय करती है कि वह किन परिस्थितियों में झुक सकता है और किनके सामने नहीं। यह रेखा किसी कागज या जमीन पर नहीं, बल्कि मन और विवेक के भीतर खिंची होती है। आपमें यह कहने का साहस होना चाहिए कि मैं यहां तक जा सकता हूं, लेकिन इसके आगे नहीं। इसलिए सेल्फ-रेस्पेक्ट सिर्फ एक जज्बा नहीं, बल्कि दुनिया के सामने अपनी अहमियत और अपनी हदों का ऐलान भी है। लेकिन इसका मतलब जिद भी नहीं है; यह समझना बहुत जरूरी है। टैलेंट आपको शुरुआत करने की ताकत देता है। अनुशासन आपको रास्ते पर बनाए रखता है। लेकिन आत्म-सम्मान आपको यह याद दिलाता रहता है कि मंजिल तक पहुंचने की दौड़ में आपने अपने भीतर के इंसान को कितना बचाकर रखा है। मैंने अपनी जिंदगी में यह देखा है कि रचनाकार का सबसे बड़ा निवेश उसका दिमाग और उसकी कल्पना होती है। एक गीतकार या लेखक अपनी रचना लिख देता है, लेकिन कई बार उसके बाद उस रचना से होने वाले लाभ में उसका कोई हिस्सा नहीं होता। मुझे यह हमेशा गलत लगा। जब मैंने गीतकारों और लेखकों के अधिकारों की बात उठानी शुरू की, तो बहुत लोगों ने कहा कि यह लड़ाई मुश्किल है, व्यवस्था ऐसी ही चलती आई है। कुछ लोगों ने सलाह दी कि मुझे अपने काम से काम रखना चाहिए। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ पैसों का मामला नहीं था। यह आत्म-सम्मान का मामला था। मेरा मानना था कि अगर किसी इमारत की नींव लेखक और संगीतकार रखते हैं, तो उन्हें यह अधिकार भी मिलना चाहिए कि उनकी रचना का इस्तेमाल जहां-जहां हो, वहां उनके अधिकार को मान्यता मिले। मैंने इस मुद्दे पर वर्षों तक आवाज उठाई, बैठकों में गया, बहसें कीं, लोगों को समझाने की कोशिश की। आखिरकार जब कॉपीराइट एक्ट में बदलाव हुए और लेखकों तथा गीतकारों के अधिकारों को अधिक मान्यता मिली, तो मुझे खुशी इसलिए नहीं हुई कि कोई व्यक्तिगत जीत मिली थी। संतोष इस बात का था कि रचनाकार की गरिमा को कुछ हद तक स्वीकार किया गया। मेरे लिए यह हमेशा आत्म-सम्मान की लड़ाई थी, और आत्म-सम्मान की लड़ाई कभी छोटी नहीं होती। (संपादन और समन्वय- अरविंद मण्डलोई,जावेद अख्तर)

प्रयागराज में विश्व संगीत दिवस पर लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयाग संगीत समिति के मेहता प्रेक्षा गृह में रविवार सायंकाल विश्व संगीत दिवस के अवसर पर शिव शक्ति फाउंडेशन के तत्वावधान में लोक-संस्कृति परक भव्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रज्ञा सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ। राजकीय बाल शिशु गृह के बच्चों ने श्री सूरज के निर्देशन में ईश्वर वंदना प्रस्तुत की। इसके पश्चात चैती और कजरी की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। सरस्वती संगीतालय के निदेशक श्री चंद्रकांत मालवीय के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने भी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन प्रियांशु श्रीवास्तव एवं श्वेता श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर संस्था के

के रूप में जिलाधिकारी प्रयागराज की धर्मपत्नी डॉ. अंकिता राज की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. अंकिता राज ने छात्र-छात्राओं की मंत्रमुग्ध कर दिया।व्यंजना आर्ट एंड कल्चरल सोसायटी द्वारा शांभवी शुक्ला के निर्देशन में कथक नृत्य 'जय जय जननी' एवं मीरा के निदेशक श्लोक रंजन श्रीवास्तव, अलीशा फिलिप्स , सविनय श्रीवास्तव ,'शुरुआत' संस्था के निदेशक अभिषेक शुक्ला, मिथिलेश

प्रतिभा की सराहना करते हुए प्रयागराज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने हेतु हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने संस्था के प्रयासों की प्रशंसा भजनों पर आधारित सुंदर प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। वहीं 'शुरुआत' संस्था के अंतर्गत अभिषेक शुक्ला के निर्देशन में कार्यशाला में प्रशिक्षित बच्चों ने राही सहित शिव शक्ति फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में संस्था की संरक्षिका डॉक्टर मधु रानी शुक्ला ने समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया

करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इस अवसर पर डी पी ओ प्रयागराज सर्वजीत सिंह,सचिव प्रयाग संगीत समिति श्री अरुण जी एवं राजकीय बाल शिशु गृह की अधीक्षक डॉ. अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का मन जीत लिया। लोक गायिका मोहिनी श्रीवास्तव ने 'तोहरो बालम कप्तान हो' की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया, जबकि शुभ्रा मालवीय द्वारा 'राम जी से पूछे जनकपुर की नारी' की एवं संयोजक अमित श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, दर्शकों एवं प्रशिक्षकों का सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए बताया कि शिव शक्ति फाउंडेशन का उद्देश्य प्रतिभाशाली बच्चों को मंच प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करना है।

ब्यौहारी में अवैध कोयले पर पुलिस का बड़ा एक्शन पाण्डेय ब्रदर्स के यार्ड से 1000 टन कोयला जब्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल/ब्यौहारी। अवैध खनिज कारोचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ब्यौहारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम टिहकी स्थित एक निजी कोयला यार्ड से लगभग 1000 टन कोयला जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और कोयले के इस विशाल भंडारण की वैधता को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस अब संबंधित विभागों से प्रतिवेदन प्राप्त कर यह पता लगाने में जुटी है कि जब्त किया गया कोयला वैध है या फिर किसी अवैध खनन अथवा चोरी के नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। जानकारी के अनुसार, थाना ब्यौहारी पुलिस को 19 जून 2026 को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि ग्राम टिहकी में स्थित पाण्डेय ब्रदर्स के कोयला यार्ड में भारी मात्रा में अवैध रूप से खनिज कोयला संग्रहित किया गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और यार्ड का निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां लगभग 1000 टन कोयला संग्रहित पाया गया। पुलिस के पहुंचने पर यार्ड में मौजूद मैनेजर भूपेन्द्र तिवारी पिता भोला प्रसाद तिवारी, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम टिहकी थाना ब्यौहारी से कोयले के स्वामित्व एवं भंडारण से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। लेकिन मौके पर वह किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस को कोयले के वैध होने पर संदेह हुआ और चोरी अथवा अवैध खनिज होने की आशंका के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने गवाहों की उपस्थिति में बी.एन.एस.एस. के प्रावधानों के तहत पूरे कोयला भंडारण को जब्त कर पुलिस कब्जे में ले लिया। बताया गया है कि जब्तशुदा लगभग 1000 टन कोयले को फिलहाल सुरक्षा की दृष्टि से उसी यार्ड में रखा गया है, जहां उसकी निगरानी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इतनी बड़ी मात्रा में कोयले का बिना वैध दस्तावेजों के पाया जाना गंभीर मामला है। इसलिए इसकी पूरी जांच की जाएगी और यदि किसी प्रकार की अवैधता सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में यार्ड के मैनेजर भूपेन्द्र तिवारी के विरुद्ध बी.एन.एस.एस. के तहत प्रकरण कायम किया गया है। वहीं पुलिस अब खनिज विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से कोयले के मूल्यांकन और उसकी वैधता के संबंध में रिपोर्ट मांग रही है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि जिले में इन दिनों अवैध खनिज कारोबार के खिलाफ प्रशासन और पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

आरसेटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए- जिलाधिकारी

आरसेटी प्रशिक्षण बैचों की नियमित निगरानी एवं अभिलेखीकरण के निर्देश,प्रशिक्षित युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से जोड़ने के निर्देश,सफलता की कहानियों का फोटो एवं वीडियो दस्तावेजीकरण किया जाए,जेल बंदियों एवं विशेष समूहों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित होंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति (डीएलआरएस) की वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम बैठक एवं आरसेटी प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आरसेटी एवं आरसेटी के माध्यम से संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं एवं युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जुड़ सकें। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आरसेटी में संचालित सभी प्रशिक्षण बैचों का प्रतिदिन फोटोग्राफ लिया जाए तथा प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति का अद्यतन विवरण सुरक्षित रखा जाए। पोस्ट प्रोग्राम रिपोर्ट (पीपीआर) में प्रशिक्षणार्थियों के मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अंकित किए जाएं, जिससे प्रशिक्षण उपरांत उनकी प्रगति का प्रभावी अनुश्रवण किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में आवेदन करने हेतु प्रेरित किया जाए। साथ ही उन्हें विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यमिता योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर सफल हुए युवाओं की सफलता की कहानियों का फोटो एवं वीडियो तैयार किया जाए तथा प्रशिक्षण गतिविधियों का नियमित दस्तावेजीकरण किया जाए। इससे अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलेगी और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपलब्धियां व्यापक स्तर पर जनसामान्य तक पहुंच सकेंगी। बैठक में एनआरएलएम के सहयोग से जेल बंदियों के लिए कौशल विकास एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, वन जीपी-वन बीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा आरसेटी में आयोजित होने वाले आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना समय से संबंधित कार्यालयों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम सरिता सिंह, जीएम डीआईसी विनोद कुमार चौधरी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना पिपरी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

बिहार में तस्करी हेतु ले जाई जा रही 539.5 लीटर अवैध बीयर बरामद,45 पेटी किंगफिशर बीयर के साथ 01 तस्कर गिरफ्तार तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा स्कार्पियो वाहन एवं मोबाइल फोन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में थाना पिपरी पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध बीयर बरामद की गई है।घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 22.06.2026 को थाना पिपरी पुलिस टीम रनटोला क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मुर्धवा तिराहे से रनटोला मार्ग पर एक सफेद रंग की महिन्द्रा स्कार्पियो संदिग्ध अवस्था में खड़ी है, जिसमें अवैध सामग्री लदी हुई है तथा वाहन चालक कहीं जाने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ एवं वाहन की तलाशी के दौरान स्कार्पियो वाहन संख्या JH06G3317 से 45 पेटी किंगफिशर बीयर बरामद हुई। जांच में कुल 1079 केन बीयर (500 एमएल प्रति केन) अर्थात कुल 539.5 लीटर अवैध बीयर बरामद की गई। कृत कार्यवाही- बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना पिपरी पर अभियुक्त के विरुद्ध धारा 60/63/72 आबकारी अधिनियम के

अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। तस्करी में प्रयुक्त महिन्द्रा स्कार्पियो वाहन को धारा 207 मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत सीज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्त धर्मपाल कुमार ने पूछताछ में बताया कि वह मध्य प्रदेश के बैढ़न क्षेत्र से बीयर लेकर बिहार जा रहा था। बिहार राज्य में शराब बंदी लागू होने के कारण वह अवैध रूप से बीयर की बिक्री कर अधिक लाभ अर्जित करता था। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि बरामद बीयर के परिवहन एवं बिक्री से संबंधित कोई वैध प्रपत्र अथवा लाइसेंस उसके पास उपलब्ध नहीं था। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:-धर्मपाल कुमार पुत्र श्री कृष्णा पासवान, निवासी कोरी बलिया, थाना दिनारा, जनपद रोहतास (बिहार), उम्र लगभग 24 वर्ष। बरामदगी का विवरण:-1. 45 पेटी में कुल 539.5 लीटर किंगफिशर एक्स्ट्रा स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर। 2. एक अदद महिन्द्रा स्कार्पियो वाहन संख्या JH06G3317। 2. एक अदद एंड्रॉयड मोबाइल फोन। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम:-1. थानाध्यक्ष राजेश जी चौबे, थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 जितेन्द्र सरोज, चौकी प्रभारी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 3. उ0नि0 रविशंकर पाठक थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 शिवबदन राम थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 5. हे0का0 शंकरलाल थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 6. हे0का0 शेषनाथ पाण्डेय थाना पिपरी जनपद सोनभद्र।**

प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु इच्छूक अभ्यर्थी आनलाईन आवेदन कर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया है कि अन्य पिछड़े वर्ग के न्यूनतम इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण शैक्षिक योग्यता रखने वाले बेरोजगार युवक/युवतियों जिनके माता-पिता/अभिभावकों की समस्त स्त्रोंतो से अधिकतम वार्षिक आय रू0 1.00 लाख से अधिक न हो। वर्ष 2026-27 में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु इच्छूक अभ्यर्थी दिनांक 16 जून 2026 से दिनांक 10. जुलाई 2026 तक कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के विभागीय वेबसाइट obccomputertaining.upsdc.gov.in पर

आनलाईन आवेदन कर सकते है तथा आवेदन की प्रति डाउनलोड कर समस्त अभिलेखों सहित निर्धारित तिथि तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में हार्डकापी जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कक्ष संख्या 37 विकास भवन लोढ़ी, सोनभद्र एवं मोबाइल नम्बर 9369963358 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई 13 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु भेजे गए

मिलावटखोरों पर प्रशासन की कड़ी नजर, जनपद में लगातार चल रही जांच कार्रवाई,मसाले, कैचअप, दूध, पनीर, घी एवं अन्य खाद्य उत्पादों के लिए गए नमूने,लैब रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान मसाला, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, टमाटर कैचअप, मेयोनीज़ तथा अन्य खाद्य पदार्थों के कुल 13 नमूने जनपद के विभिन्न विनिर्माण प्रतिष्ठानों एवं थोक/फुटकर विक्रेताओं से संग्रहित किए गए। इनमें सब्जी मसाला, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, टमाटर कैचअप, ताजा पनीर, फुल क्रीम दूध, घी, मेयोनीज़ एवं ग्रीन चिली सॉस सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ शामिल हैं। संग्रहित नमूनों को परीक्षण हेतु राजकीय खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, लखनऊ भेज दिया गया है। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनपद में मिलावटी एवं मानक-

विहीन खाद्य पदार्थों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, क्यों कि गलत खाद्य पदार्थ का उपयोग करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

कवि के 0 पी 0 सविता बौद्ध द्वारा डॉ0 फूलकली गुप्ता पूनम प्रधानाचार्य को बुद्ध चरित मानस भेंट किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। जी जी आई सी अमेठी की ख्यातिलब्ध प्रधानाचार्य एम ए पी एच डी कवयित्री व शायरा डॉ फूलकली गुप्ता पूनम को गौरीगंज के कवि एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस (प्रबंध काव्य) के रचनाकार के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी ने उक्त प्रबंध काव्य को उनके आवास पर जाकर भेंट किया। उनको अपना ग्रंथ भेंट कर कवि को बड़ी आनंद की अनुभूति हुई। कवि के0 पी0 सविता बौद्ध ने बताया कि काफी समय से इस काम के लिए उनसे समय मांगा जा रहा था लेकिन उन्हें समय नहीं मिल पा रहा था। आज वह खुशी का दिन आया जब मैंने अपनी रचना उनको भेंट किया। बुद्ध चरित मानस (प्रबंध काव्य) के रचयिता के पी सविता बौद्ध ने बताया कि यह ग्रंथ भगवान बुद्ध के जीवन चरित पर आधारित दोहा चौपाई शैली में रचित है। बुद्ध के दर्शन का भी प्रसंगानुसार संक्षिप्त वर्णन किया गया है। बुद्ध के प्रधान शिष्यों के चरित्रों की भी अनुगूंज सुनाई पड़ती है इस प्रबंध काव्य में।

पशुआहार में मानक से अधिक यूरिया, दूध भी इन्फेक्टेड, लिवर-किडनी डैमेज का रिस्क, पीने से पहले चेक करें क्वालिटी

नयी दिल्ली। दूध में पानी, डिटर्जेंट और सिंथेटिक केमिकल्स की मिलावट की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अब मिलावट का खेल पशुओं के चारे तक पहुंच गया है। चिंता की बात यह है कि इसका असर पशुओं के साथ हमारी सेहत पर भी पड़ रहा है। हाल ही में राजस्थान से पशुआहार में तय सीमा (1फीसदी) से ज्यादा (करीब 1.5फीसदी से 4फीसदी तक) यूरिया मिलाने का मामला सामने आया है। ज्यादा चिंता की बात ये है कि इसमें फीड ग्रेड की बजाय खराब क्वालिटी का यूरिया मिलाया जा रहा है। सीमित मात्रा में 'फीड ग्रेड यूरिया' का इस्तेमाल पशुओं के पोषण के लिए किया जाता है। लेकिन जरूरत से ज्यादा या खराब क्वालिटी का यूरिया पशुओं की सेहत बिगाड़ सकता है। इसका असर दूध की क्वालिटी पर भी पड़ता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हाई यूरिया वाला पशुआहार खा रहे गाय-भैंस के दूध से किडनी और लिवर डैमेज का रिस्क हो सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- पशुआहार में यूरिया क्यों मिलाया जाता है? हाई यूरिया मिल्क के क्या हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? दूध खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय पर और प्रकाश डालेंगे एक्सपर्ट:- डॉ. आदेश कुमार वर्मा, वेटेरिनरी कंसल्टेंट और असिस्टेंट प्रोफेसर, केएपीजी कॉलेज, प्रयागराज,डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली साथ ही विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- पशुआहार में किन चीजों की मिलावट की जा रही है? जवाब- हाल ही में राजस्थान से पशुआहार में तय सीमा से ज्यादा यूरिया मिलाने का मामला सामने आया है। मिलावटखोर इसके अलावा खराब अनाज, भूसी, एग्रीकल्चरल वेस्ट और सस्ते फिलर्स भी मिलाते हैं। इससे पशुओं की सेहत, दूध उत्पादन और दूध की क्वालिटी प्रभावित हो सकती है। सवाल- पशुआहार में यूरिया क्यों मिलाया जाता है? जवाब- यूरिया पशुओं के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं है। तय मात्रा में फीड ग्रेड यूरिया (पशुओं के खाने वाला यूरिया) नॉन-प्रोटीन नाइट्रोजन (एनपीए) सोर्स के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। गाय-भैंस जैसे जुगाली करने वाले पशु इसे अपने पेट में मौजूद सूक्ष्मजीवों की मदद से प्रोटीन में बदल सकते हैं। इससे चारे की न्यूट्रिशन क्वालिटी बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिलती है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल आर्टिफिशियल प्रोटीन की मात्रा ज्यादा दिखाने के लिए किया जाता है। समस्या तब होती है, जब पशुआहार में तय सीमा से ज्यादा या इंडस्ट्रियल यूरिया मिलाया जाता है। सवाल- फीड ग्रेड यूरिया और इंडस्ट्रियल यूरिया में क्या अंतर है? जवाब- फीड ग्रेड और इंडस्ट्रियल दोनों ही यूरिया हैं, लेकिन इनकी क्वालिटी और इस्तेमाल के उद्देश्य अलग होते हैं। फीड ग्रेड यूरिया: ये खासतौर पर पशुओं के लिए बनाया जाता है। इसमें हानिकारक तत्वों की मात्रा तय मानकों के भीतर रखी जाती है, इसलिए यह सीमित मात्रा में पशुओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। इंडस्ट्रियल यूरिया: इसका इस्तेमाल केमिकल्स, रेजिन, प्लास्टिक, खाद और अन्य इंडस्ट्रियल कामों में होता है। इसमें हानिकारक तत्व और कुछ ऐसे केमिकल्स हो सकते हैं, जो पशुओं के लिए सुरक्षित नहीं माने जाते। सवाल- ज्यादा यूरिया वाला पशुआहार खाने से गाय-भैंस को क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- पशुआहार में तय मानक से ज्यादा यूरिया होने पर गाय-भैंसों को कई हेल्थ रिस्क हो सकते हैं। गंभीर मामलों में यह जानलेवा भी हो सकता है। सवाल- क्या पशुआहार में ज्यादा यूरिया होने से दूध में भी यूरिया बढ़ सकता है? जवाब- हां, अगर पशु लंबे समय तक जरूरत से ज्यादा यूरिया वाला पशुआहार खाता है तो उसके शरीर में नाइट्रोजन और यूरिया का लेवल बढ़ सकता है। इसका असर दूध की क्वालिटी पर पड़ता है। इससे दूध में यूरिया की मात्रा सामान्य से ज्यादा हो सकती है। हम पशु को जो खिला रहे हैं, वही उसके दूध के जरिए हमारे शरीर तक पहुंच रहा है। इसलिए उनके आहार और स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है। भोजन चाहे मनुष्य का हो या पशु का, उसके साथ लापरवाही ठीक नहीं। हाई यूरिया वाला दूध सेहत के लिए नुकसानदायक है। इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, सवाल- हाई यूरिया वाला दूध पीने से बच्चों की सेहत पर क्या असर हो सकता है? जवाब- बच्चों का शरीर वयस्कों की तुलना में ज्यादा सेंसिटिव होता है। इसलिए उनकी सेहत पर जल्दी और ज्यादा असर पड़ता है। इससे पाचन संबंधी समस्याएं, कमजोरी और न्यूट्रिशन इम्बैलेंस हो सकता है। साथ ही शारीरिक ग्रोथ पर भी नेगेटिव असर पड़ता है। सवाल- किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? जवाब- लंबे समय तक हाई यूरिया मिल्क लेने से कुछ लोगों को ज्यादा रिस्क होता है।सवाल- क्या दूध देखकर पता लगाया जा सकता है कि उसमें यूरिया ज्यादा है? जवाब- नहीं, दूध देखकर यह पता लगाना मुश्किल है कि उसमें यूरिया ज्यादा है या नहीं। इसकी पुष्टि लैब टेस्ट या स्पेशल टेस्ट किट से ही की जा सकती है। इसलिए शक होने पर दूध की जांच करानी चाहिए। सवाल- क्या दूध उबालने से यह रिस्क खत्म हो जाता है? जवाब- नहीं, दूध उबालने से यूरिया खत्म नहीं होता। उबालने से दूध में मौजूद बैक्टीरिया तो नष्ट हो सकते हैं, लेकिन घुला हुआ यूरिया बना रहता है। सवाल- दूध खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- कुछ बुनियादी सावधानियां बरतकर मिलावट और खराब क्वालिटी वाले दूध का रिस्क काफी हद तक कम किया जा सकता है। पशुओं की अच्छी सेहत और बेहतर दूध उत्पादन के लिए पशुपालकों को कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सवाल- पशुआहार की क्वालिटी की निगरानी कौन करता है? जवाब- इसकी निगरानी मुख्य रूप से राज्य पशुपालन विभाग और संबंधित सरकारी लैबोरेटरीज करती हैं। ये समय-समय पर पशुआहार के सैंपल लेकर उनकी जांच करते हैं। मानकों के उल्लंघन या मिलावट पाए जाने पर संबंधित निर्माता और विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। सवाल- पशुआहार में कितना यूरिया मिलाने की अनुमति है? जवाब- पशुआहार में अधिकतम 1इ तक फीड ग्रेड यूरिया मिलाने की अनुमति है। इससे ज्यादा मात्रा पशुओं की सेहत के लिए नुकसानदायक है। इससे यूरिया टॉक्सिसिटी का रिस्क हो सकता है।

सवाल- खराब क्वालिटी का पशुआहार बेचने पर क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- ऐसे मामलों में कार्रवाई संबंधित राज्य के नियमों और मिलावटखोरी की गंभीरता पर निर्भर करता है। जांच में गड़बड़ी साबित होने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। जुर्माना या अन्य कानूनी कार्रवाई हो सकती है। प्रोडक्शन यूनिट सील हो सकती है। सवाल- अगर आपको दूध की क्वालिटी पर शक हो तो कहां शिकायत करें? जवाब- इसकी शिकायत स्थानीय फूड सेफ्टी ऑफिसर और 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (एफएसएसएआई) से कर सकते हैं। एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' पोर्टल/मोबाइल एप के जरिए भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत के साथ दूध का सैंपल, बिल और अन्य उपलब्ध जानकारी शेयर करने से जांच में मदद मिलती है।

पुष्पा-2 भगदड़ मामला, अल्लू अर्जुन पर सुनवाई स्थगित,कोर्ट ने भेजा था समन

चेन्नई। हैदराबाद के संध्या थिएटर हादसे के मामले में नामपल्ली कोर्ट ने एक्टर अल्लू अर्जुन पर सुनवाई स्थगित कर दी है। एक्टर सोमवार को कोर्ट में वर्चुअली पेश हुए। हालांकि कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए समन जारी किया था। लेकिन अल्लू अर्जुन की लीगल टीम ने मुंबई में फिल्म की शूटिंग चलने के कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ने की अनुमति मांगी थी। पुलिस ने इस मामले की चार्जशीट में अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 बनाया है। दिसंबर 2024 में 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान हुई भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। कोर्ट ने भीड़ प्रबंधन में लापरवाही और सुरक्षा फेल होने के इस मामले की सुनवाई के लिए अभिनेता समेत अन्य आरोपियों को 22 जून को खुद हाजिर होने का आदेश दिया था। चार्जशीट में आरोपी नंबर 11 बने अल्लू अर्जुन पुलिस ने इस हादसे को लेकर कोर्ट में एक विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस चार्जशीट में कुल 23 लोगों को नामजद किया गया है। इसमें संध्या थिएटर के मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को आरोपी नंबर 1 से 10 (ए1 से ए10) बनाया गया है, जबकि अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 (ए11) के रूप में लिस्ट किया गया है। कोर्ट ने मामले में आगे बढ़ते हुए 19 आरोपियों को नोटिस जारी किया है और उन्हें अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया है।

योग दिवस पर अभिनेत्री कंचन अवस्थी ने किया योग, दिया स्वस्थ तन और शांत मन का संदेश

मुंबई, रविवार को हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री कंचन अवस्थी योगाभ्यास करती हुई नजर आईं। इस खास मौके पर उन्होंने योग के महत्व को बताते हुए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों और वीडियो में कंचन विभिन्न योग मुद्राएं करती दिखाई दीं तथा उन्होंने नियमित योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कंचन अवस्थी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। उनके अनुसार नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर स्वस्थ और सुडौल रहता है, बल्कि मानसिक तनाव भी कम होता है और व्यक्ति सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का विषय 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' रखा गया है, जिसका उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन के लिए योग अपनाने के प्रति जागरूक करना है। देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के बीच कंचन अवस्थी की योग साधना ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वे प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालें, क्योंकि योग सुंदर काया के साथ-साथ स्वस्थ मन और सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रदान करता है। उनका यह संदेश सोशल मीडिया पर भी खूब सराहा जा रहा है।

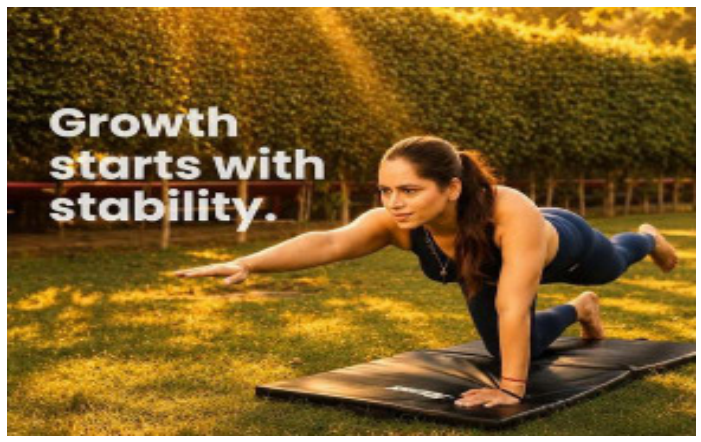

बिहार में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर कुल्हाड़ी से हमला, गोपालगंज में घर के बाहर बैठे थे-गिरफ्तार

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएम सीएच) रेफर किया गया है। घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। सदर एसडीपीओ- 2 राजेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले विजेंद्र नाथ तिवारी अपने घर के पास मिट्टी भरवाए थे, जिसके बाद जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसी बीच रविवार को आरोपी राजेश ने विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी राजेश साह के पिता महेश साह से विजेंद्र नाथ का विवाद था। इस विवाद में महेश जेल भी जा चुका था। राजेश पिता के जेल जाने का बदला लेना चाहता था। पंकज की टीम ने बताया- गांव के व्यक्ति ने ही हमला किया-मामले को लेकर दैनिक भास्कर ने पंकज त्रिपाठी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ आया। वहीं एक्टर की टीम से बात हुई। टीम ने फोन पर बड़े भाई पर हमले की पुष्टि करते हुए कहा, 'जानकारी सही है। पंकज सर का फोन फिलहाल स्विच ऑफ है। पंकज सर की पत्नी ने बताया कि घटना गांव में हुई है। वहीं के व्यक्ति ने ही हमला किया और बड़े भाई अभी पटना के अस्पताल में भर्ती हैं। मामले की पुलिस जांच कर रही है, इसलिए फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते।'

रणबीर-आलिया की फिल्म 'लव एंड वॉर' के सेट पर हादसा,कारपेंटर की करंट लगने से मौत

मुंबई। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' के सेट पर बड़ा हादसा हुआ है। मुंबई की फिल्म सिटी के रॉयल पंप स्टूडियो में शॉर्ट सर्किट के कारण 42 वर्षीय कारपेंटर चंद्रधारी सिंह यादव की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के समय सेट पर एक्ट्रेस आलिया भट्ट शूटिंग कर रही थीं। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्लूआईसीई) ने भंसाली प्रोडक्शंस की तरफ से घोषित 40 लाख रुपए के मुआवजे को बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने की मांग की है ताकि मृतक के बच्चों की पढ़ाई सुरक्षित हो सके। इस फिल्म का डायरेक्शन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। लगातार 20 घंटे काम करने का दावा एफडब्लूआईसीई के जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे ने इस घटना के बाद वर्कर्स के काम के घंटों पर सवाल उठाए हैं। हिंदुस्तान टाइम्स कि रिपोर्ट के मुताबिक, चंद्रधारी सिंह यादव हादसे से पहले लगातार तीन दिनों से बेहद कड़े शेड्यूल में काम कर रहे थे। वे सुबह 7 बजे से अगले दिन सुबह 3 बजे तक ड्यूटी पर थे। फेडरेशन का कहना है कि लगातार करीब 20 घंटे काम करने की वजह से थकावट और सुरक्षा इंतजामों में कमी इस हादसे का कारण हो सकती है। फेडरेशन ने सभी प्रोडक्शन हाउसेज से सेट पर सख्त सेफ्टी चेक्स लागू करने की मांग की है। एफडब्लूआईसीई ने की नौकरी की मांग हादसे के बाद भंसाली प्रोडक्शंस ने पीड़ित परिवार को 40 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की बात कही है। इस पर एफडब्लूआईसीई के प्रेसिडेंट बीएन तिवारी ने बताया कि मृतक के बच्चे अभी बहुत छोटे हैं। परिवार को उनकी शिक्षा के लिए और मदद की जरूरत होगी, इसलिए मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 500 लाख रुपए किया जाना चाहिए। इसके साथ ही फेडरेशन ने भंसाली प्रोडक्शंस से चंद्रधारी यादव की पत्नी को स्थाई आय के लिए नौकरी देने का भी आग्रह किया है। परिवार में पत्नी और दो बेटियां मृतक चंद्रधारी सिंह यादव अपने पीछे पत्नी और दो छोटी बेटियों को छोड़कर गए हैं। बीएन तिवारी ने टेक्नीशियन की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक बेहद टैलेंटेड वर्कर थे और इस तरह उनका जाना पूरी इंडस्ट्री के लिए दुखद है। फेडरेशन का कहना है कि वर्कर्स के काम के घंटों को रेगुलराइज किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में थकावट के कारण होने वाली ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। जनवरी 2027 में रिलीज होगी 'लव एंड वॉर' संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' इस समय बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होने वाली है। फिल्म में रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। यह साल 2022 की सफल फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के बाद रणबीर और आलिया की एक साथ दूसरी फिल्म होगी। विक्की कौशल भी इससे पहले रणबीर के साथ 'संजू' और आलिया के साथ 'राजी' में काम कर चुके हैं। भंसाली के साथ स्टार्स का पुराना कनेक्शन इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर और आलिया भट्ट एक बार फिर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। आलिया भट्ट ने भंसाली के साथ फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में काम किया था, जिसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिला था। वहीं रणबीर कपूर ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से की थी। लगभग दो दशक बाद रणबीर फिर से भंसाली के निर्देशन में काम कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।